राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार ,18 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-237 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरटीआई और एफआईआर विषय पर

राष्ट्रीय आरटीआई वेबिनार का आयोजन

आरटीआई के तहत जानकारी न देने पर किन किन धाराओं पर लोक सूचना अधिकारियों पर दर्ज कराएं एफआईआर विषय पर ताराचंद जांगिड़ ने दिया प्रजेंटेशन

क्रांति समय दैनिक समाचार

क्या आप कभी सूचना के अधिकार कानून के आगे भी निकलकर विचार किये हैं?

मानकर चलें की यदि आपको आरटीई फाइल करने के बाद जानकारी समयसीमा पर न मिले अथवा कोई जानकारी ही न मिले, अथवा अधूरी और भ्रामक जानकारी मिले, अथवा जो जानकारी दी जाय वह झूंठी और गलत हो तो आप क्या करेंगे? जाहिर है आप प्रथम अपील पर जायेंगे और और यदि प्रथम अपील में निराकरण नहीं होता तो आप सूचना योग में द्वितीय अपील में जायेंगे. लेकिन क्या आपने सोचना है की इस प्रक्रिया के साथ-साथ आप भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता के विधान के तहत भी कार्यवाही की माग कर सकते हैं और जानकारी न देने और गलत भ्रामक जानकारी देने आरटीआई कानून का उल्लंघन करने के लिए लोक सूचना अधिकारी और प्रथम अपीलीय अधिकारी के उपर एफ आई आर भी दर्ज करवा सकते हैं.

इसी विषय को लेकर दिनांक 05 सितम्बर शिक्षक दिवस के दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक राष्ट्रीय सूचना के अधिकार वेबिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व केन्द्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गाँधी, पूर्व मप्र राज्य सूचना आयुक्तआत्मदीप, आरटीआई एक्टिविस्ट और अधिवक्ता ताराचंद जांगिड़, आरटीआई एक्टिविस्ट वीरेश बेल्लूर और माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक भास्कर प्रभु सम्मिलित हुए.

राजस्थान से आरटीआई एक्टिविस्ट और अधिवक्ता ताराचंद जांगिड़ ने पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन देकर बताया किस प्रकार से यदि लोक सूचना अधिकारी अथवा प्रथम अपीलीय अधिकारी अपने कर्तव्यों की अवहेलना करें और समयसीमा पर और सही जानकारी न उपलब्ध कराएँ तो उनके ऊपर भारतीय दंड

विधान और और दंड प्रक्रिया संहिता के तहत एफआईआर दर्ज करवाई जा सकती है.

प्रथम अपील तक का स्तर और असद्भावना से की गयी कार्यवाहियां और दंड विधान

ताराचंद जांगिड़ ने बताया की किन नियमों के उल्लंघन पर किन किन धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई जा सकती है.

लोक सूचना अधिकारी द्वारा कोई जवाब नहीं देना धारा-7(2) आरटीआई एक्ट का उल्लंघन है.

लोक सूचना अधिकारी द्वारा आरटीआई एक्ट की धारा-7(8) का उल्लंघन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 166A और 167 के तहत एफ आई आर होगी.

लोक सूचना अधिकारी द्वारा झूठी जानकारी देना जिसका प्रमाण आवेदक के पास मौजूद है उस स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 166ए, 167, 420, 468 और 471 के तहत एफआईआर दर्ज होगी.

प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा निर्णय नहीं किये जाने की स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 166ए, 188 के तहत एफ आई आर दर्ज कराई जा सकती है.

प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष लोक सूचना अधिकारी द्वारा सुनवाई के बाद सम्यक सूचना के भी गैरहाजिर रहने की स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 175, 176, 188, और 420 के तहत एफ आई आर दर्ज करवाई जा सकती है.

प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा निर्णय करने के बाद भी सूचनाएं नहीं देने की स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 188 और 420 के तहत एफ आई आर दर्ज हो सकती है.

लोक सूचना अधिकारी अथवा प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा आवेदक को धमकाने की स्थिति में आईपीसी की धारा 506 के तहत एफ आई आर दर्ज करने का प्रावधान है.

लोक सूचना अधिकारी द्वारा शुल्क लेकर भी सूचना नहीं देने की स्थिति में आईपीसी की धारा 406 और 420 के तहत एफआईआर दर्ज किये जाने का प्रावधान होगा.

पीईओ अथवा एफएओ द्वारा लिखित में ऐसे कथन करना जिसका झूठ होना पीईओ अथवा एफएओ को ज्ञात हो और इससे आवेदक को सदोष हानि हो उस स्थिति में आईपीसी की धारा 193, 420, 468, और 471 के तहत एफ आई आर दर्ज करवाई जा सकती है.

आरटीआई एक्टिविस्ट राव धनवीर सिंह एक्ट के द्वारा दुस्प्योग पर पीआईओ/एफएओ पर दर्ज करवाए गए आपराधिक अभियोग :एफआईआर नंबर -124/2013 दिनांक 22.01.2013 पुलिश थाना कोटपुतली,जिला-जयपुर राजस्थान

इस एफ आई आर में राजस्थान पुलिस के लोक सूचनाधिकारी के पास उपलब्ध सूचना को भी यह कहकर देने से इनकार किया गया था कि सूचना उपलब्ध नहीं हैं. ६ माह बाद तीसरे आवेदन में वही सूचनाएं उपलब्ध करवा दी गयी थी नतीजा उक्त एफआईआर दर्ज हुई और प्रकरण वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है.

एफआईआर नंबर -738/2019 दिनांक 07.09.2019, पुलिस थाना-कोटपुतली,जिला-जयपुर ग्रामीण (राजस्थान)

इस प्रकरण में लोक सूचनाधिकारी नें अपने कार्यालय के कर्मचारियों के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचकर अपने कार्यालय में मौजूद मूल सूचनाओं में कांट-छांट करके, दस्तावेज में से सूचनाओं को मिटा कर आधी अधूरी सूचनाएं उपलब्ध करवाई गयी थी नतीजा उक्त एफआईआर दर्ज हुई और प्रकरण वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है.

एफआईआर नंबर -981/2013 दिनांक 10.011.2013, पुलिस थाना-कोटपुतली, जिला-जयपुर ग्रामीण (राजस्थान)

इस प्रकरण में राजस्थान पुलिस के लोक सूचनाधिकारी के पास उपलब्ध सूचना में से अधूरी सूचना उपलब्ध करवाई गयी थीं और आवेदक को देर रात फोन करके धमकाया गया था. नतीजा उक्त एफ आई आर दर्ज हुई प्रकरण वर्तमान में वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है.

एफआईआर नंबर 1006/2013 दिनांक 19.11.2013 पुलिस थाना-कोटपुतली, जिला-जयपुर ग्रामीण (राजस्थान)

इस प्रकरण में पुलिस विभाग के लोक सूचनाधिकारी नें अपने कार्यालय में मौजूद मूल सूचनाओं के बजाय कूटरचित सूचनाएं तैयार करके आधी-अधूरी सूचनाएं उपलब्ध करवाई गयी थी. नतीजा उक्त एफआईआर दर्ज हुई. प्रकरण वर्तमान में वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है.

एफआईआर नंबर -76/2015 दिनांक 23.02.2015, पुलिस थाना - मॉडल टाउन जिला रेवारी, हरियाणा

इस प्रकरण में पुलिस विभाग के लोक सूचनाधिकारी नें अपने कार्यालय में मौजूद मूल सूचनाओं के छुपाया और बजाय सम्पूर्ण सूचनाओं के आधी अधूरी सूचनाएं उपलब्ध करवाई गयी थी. नतीजा उक्त एफआईआर दर्ज हुई प्रकरण वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है.

एफआईआर नंबर 528/2015 दिनांक 15.09.2015, पुलिस थाना मॉडल टाउन, जिला रेवारी, हरियाणा

इस प्रकरण में पुलिस विभाग के लोक सूचनाधिकारी नें अपने कार्यालय में मौजूद मूल सूचनाओं के छुपाया और दुर्भावनापूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं करवाया और नाजायज अड़चन डालकर आवेदक को सदोष हानि कारित की गयी. नतीजा उक्त एफआईआर दर्ज हुई प्रकरण वर्तमान में वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है.

एफआईआर नंबर -397/2021 दिनांक 15.08.2021 पुलिस थाना-प्रागपुरा जिला-जयपुर ग्रामीण राजस्थान

इस प्रकरण में लोक सूचनाधिकारी नें भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित चीनी एप कैमस्कैनर का इस्तेमाल करते हुए जो सूचनाए ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध हुई उनमें से अपने पूर्ववर्ती दस्तावेज में खुद के कार्यालय में हुई वित्तीय अनियमितताओं और विभागीय नियमों के विरुद्ध किये गए कृत्यों से खुद और अधीनस्थ कार्मिकों को बचाने के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचकर कूटरचित पत्र (पहले वाले पत्र के पत्र क्रमांक डालकर) सूचनाएं उपलब्ध करवाई गयीं जो कि कूटरचित थीं. नतीजा उक्त एफआईआर दर्ज हुई प्रकरण वर्तमान में अनुसन्धान में है.

अधिवक्ता ताराचंद जांगिड़ द्वारा आर टी एक्ट के दुस्प्रयोग एवं सदोष हानि बाबत दर्ज करवाए गए आपराधिक अभियोग : केस नंबर - 774/2020 दिनांक 29.06.2020 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट चुरूराजस्थान

इस मामले में प्रथम अपीलीय अधिकारी के बाद भी लोक सूचनाधिकारी नें कोई सूचना उपलब्ध नहीं करवाई. सम्पूर्ण प्रकरण दस्तावेजी साक्ष्यों से प्रमाणित होने से अनुसन्धान आवश्यक नहीं है लिहाजा सीधे प्रसंज्ञान की प्रार्थना के साथ न्यायालय में परिवाद दायर किया गया. मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है

केस नंबर 775/2020 दिनांक 29.06.2020 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट चुरूराजस्थान

इस मामले में लोक सूचनाधिकारी नें अपने कार्यालय में जिस सूचना का होना उपलब्ध होने से इनकार कहकर आवेदन का निस्तारण किया वह सूचना सहज ऑनलाइन सार्वजनिक रूप से उपलब्ध थीं. जाहिर है कि उक्त अधिकारी नें झूठा जवाब दिया. सम्पूर्ण प्रकरण दस्तावेजी साक्ष्यों से प्रमाणित होने से अनुसन्धान आवश्यक नहीं है लिहाजा सीधे प्रसंज्ञान की प्रार्थना के साथ न्यायालय में परिवाद दायर किया गया. मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है.

सुरेश मौर्या मो.-9879141480

पीएम मोदी के 71वें जन्म दिन पर वडोदरा में बनाई 71 फूट लंबी रंगोली

वडोदरा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 71वां जन्म दिन है और गुजरातभर में उनके जन्म दिन पर जश्न मनाया जा रहा है। राज्य के प्रत्येक जिले में मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। वडोदरा के एक मोल में पीएम मोदी के जन्म दिन के

उपलक्ष्य में उनकी 71 फूट लंबी रंगोली बनाई गई है। वडोदरा के सेंटर स्क्वेर मोल में नरेन्द्र मोदी की 71 फूट लंबी और 30 फूट चौंड़ी रंगोली बनाई गई है। साथ ही 971 किलो की 182 फूट लंबी कैक भी तैयार की गई है। कैक में पीएम मोदी सरकार की योजनाओं का उल्लेख किया गया है। यह कैक दिव्यांगजन से कटवाई जाएगी।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बुखार का आतंक

हरियाणा के पलवल इलाके के गांव चिल्ली में विगत दस दिनों में आठ बच्चों की मौत न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक है। जो बच्चे बुखार के चलते काल के गाल में समा गए, उनकी उम्र 14 साल से कम है। खास पलवल से बीस किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में 25 से ज्यादा टीमों ने डेरा डाल रखा है। बच्चों में लक्षण तो डेंगू के दिखे हैं, लेकिन डॉक्टर अभी तक पुष्टि नहीं कर सके हैं। बुखार का कहर यह गांव करीब तीन सप्ताह से झेल रहा है। आम तौर पर इस मौसम में मौसमी बीमारियों का प्रकोप होता है और लोग भी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार रहते हैं, लेकिन जब कोई बुखार सप्ताह भर का समय भी न दे, तो परिजन या चिकित्सक का चिंतित होना वाजिब है। यह चिंता विश्व स्वास्थ्य संगठन तक भी पहुंच गई है। कोई आश्चर्य नहीं कि डॉक्टरों और अधिकारियों ने गांव में डेरा डाल दिया है और निमोनिया से लेकर मच्छर जनित रोगों तक तमाम आशंकाओं को टटोला जा रहा है। इस गांव में साफ-सफाई की भी समस्या बताई जा रही है, जो स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों के लिए शर्म की बात होनी चाहिए। हरियाणा के चिल्ली गांव से उत्तर प्रदेश का फिरोजाबाद करीब 177 किलोमीटर दूर है। वहां भी बुखार का गहरा साया है। तीन सप्ताह में करीब 60 लोग जान से हाथ धो बैठे हैं। यहां भी डेंगू की ही आशंका है, लेकिन पुष्टि का इंतजार है। तेज बुखार और प्लेटलेट्स का कम होना स्वाभाविक है, लेकिन इसके अलावा भी कुछ लक्षण हैं, जिनकी वजह से डॉक्टर एकमत नहीं हो रहे। चिल्ली हो या फिरोजाबाद या बिहार का गोपालगंज, हर जगह चिंता है। बिहार में करीब 40 बच्चों की मौत हो चुकी है। वायरल पीड़ित बच्चों से कई अस्पताल भरे हुए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कहा है कि हम सचेत हैं, तो हमें आगामी दिनों में बच्चों के इलाज की बेहतर व्यवस्था देखने को मिलेगी। वास्तव में, हम मौसमी बीमारियों को कुछ ज्यादा ही सहजता से लेते आए हैं। तीन बातें तो बिल्कुल साफ हैं। सबसे पहले तो हमें अपने और परिवार, समाज के स्वास्थ्य के प्रति बहुत सचेत रहना चाहिए। दूसरी बात, आसपास के परिवेश के प्रति सजग रहना चाहिए। आसपास की सफाई के प्रति लोग अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को भूल ही गए है। शहरों में भी साफ-सफाई की जो व्यवस्था होती है, उसमें आम स्थानीय लोगों की कोई भूमिका नहीं होती है। साफ-सफाई को हमने पंचायतों या नगर पालिकाओं का काम समझ लिया है। व्यवस्था ऐसी है कि हम कर या शुल्क चुकाने के बावजूद अपनी गली में सफाई के लिए लड़ भी नहीं सकते। गांव से शहर तक मच्छरों और अन्य कीटों को पनपने का पूरा मौका मिलता है और मौसमी बीमारियां भी जानलेवा हो जाती हैं। तीसरी बात, चिकित्सा सेवाओं का विस्तार भले हो रहा हो, लेकिन गरीबों तक यथोचित सुविधाओं की पहुंच नहीं हो पा रही है। आखिर लोग अस्पताल तभी क्यों पहुंचते हैं, जब इलाज की संभावनाएं हाथ से निकलने लगती हैं? अस्पताल और मरीज के संबंध को सद्भावी बनाने के लिए क्या हम कुछ कर सकते हैं? बेशक, कोरोना का चरम दौर हो या मौसमी बीमारियों का प्रकोप हो, संवेदना, सेवा और स्वास्थ्य बीमा का ऐसा उच्च स्तर तैयार करना चाहिए कि लोग डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचने में कोई देरी न करें।

'आज के ट्वीट

'खेजड़ली बलिदान दिवस'

'खेजड़ली बलिदान दिवस' पर वृक्षों की रक्षा के लिए स्वयं को न्यौछावर करने वाले प्रकृति प्रेमियों की शहादत को नमन। उनका बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। हम सभी को पेड़ और पर्यावरण का महत्त्व समझने की आवश्यकता है, प्रकृति के संरक्षण से ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। - मु. अशोक गहलोत

भारत में रोजगार के मोर्चे पर अंततः आई अच्छी खबर

- प्रह्लाद सबनानी

कोरोना महामारी के दौर में भारत ही नहीं बल्कि विश्व के लगभग सभी देशों में बेरोजगारी की दर में बेतहाशा वृद्धि दृष्टिगोचर हुई थी। परंतु, भारत ने कोरोना महामारी के द्वितीय दौर के बाद जिस तेजी से अपनी अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी की दर को कम करने में सफलता पाई है, वह निश्चित ही तारीफ के काबिल है। हालांकि तेज गति से बढ़ रहे रोजगार के अवसरों में भारत में हाल ही में प्रारम्भ हुए त्योहार के मौसम का भी योगदान है। देश में त्योहारी मौसम में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि दृष्टिगोचर होती है। परंतु, ईपीएफओ एवं एनपीएस के पेरोल के आंकड़े देखने पर ज्ञात होता है कि रोजगार के अधिक नए अवसर औपचारिक (फोर्मल) क्षेत्र में भी निर्मित हो रहे हैं, इस क्षेत्र में श्रमिकों को न केवल निश्चित दर पर वेतन एवं मजदूरी प्राप्त होती है बल्कि अन्य कई प्रकार के लाभ यथा प्रॉविडेंट फंड में योगदान एवं स्वास्थ्य सुविधाएं भी नियोक्ता अथवा सरकार की ओर से उपलब्ध होती हैं। जबकि अनौपचारिक क्षेत्र में कई बार न्यूनतम मजदूरी से भी कम मजदूरी श्रमिकों को प्राप्त होती है, अन्य सुविधाएं तो प्राप्त ही नहीं होती हैं। इस प्रकार, देश में औपचारिक क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार निर्मित होना एक बहुत अच्छी उपलब्धि मानी जानी चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाले केंद्र (सीएमआईई) द्वारा हाल ही में जारी किया गए आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2021 माह में 1 करोड़ 60 लाख रोजगार के नए अवसर भारत में निर्मित हुए हैं। यह कोरोना महामारी के द्वितीय दौर के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से वापिस पटरी पर आने के कारण सम्भव हुआ है। कृषि के क्षेत्र में 1 करोड़ 12 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं निर्माण के क्षेत्र में 54 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं तो सेवा क्षेत्र में 5 लाख तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 8 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं। सीएमआईई के अनुसार, कृषि के क्षेत्र में पैदा हुए रोजगार के अवसर अल्प अवधि के रोजगार हो सकते हैं परंतु देश में आर्थिक गतिविधियों में हो रही तेज गति से वृद्धि के चलते आगे आने वाले समय में यह अल्प अवधि के रोजगार के अवसर अन्य क्षेत्रों यथा सेवा, निर्माण एवं विनिर्माण में लम्बी अवधि के रोजगार के अवसरों में परिवर्तित हो सकते हैं। जो कि देश के लिए एक अच्छी खबर होनी चाहिए। दूसरी ओर, एक अन्य संस्थान द्वारा जारी किए गए सर्वे के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी कम्पनियों ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के शेष समय में विभिन्न महाविद्यालयों (आईटी एवं प्रबंधन) के कैम्पस से भारी मात्रा में भर्तियों की योजना बनाई है। नई भर्ती के यह आंकड़े कोविड महामारी के पूर्व के स्तर (फरवरी 2020) से कहीं अधिक हैं। जैसे, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज 40000+, इनफोसिस 35000+, काग्निजेंट 45000+, विप्रो 30000+ एवं एचसीएल टेक्नॉलजी 30000+ आदि कम्पनियां तकनीकी क्षेत्र में नई भर्ती किए जाने की योजना बना रही हैं। इसके साथ ही, देश के 10 शीर्ष निजी क्षेत्र के औद्योगिक घरानों में भी कर्मचारियों की संख्या में लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर हो रही है। एक अनुमान के अनुसार, टाटा समूह की कम्पनियों में 750,000 कर्मचारी कार्यरत हैं तो लारसन एंड टोब्रो समूह में 338,000 कर्मचारी, इनफोसिस समूह में 260,000 कर्मचारी, महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह में 260,000 कर्मचारी, रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह में 236,000 कर्मचारी, विप्रो समूह में 210,000 कर्मचारी, एचसीएल समूह में 167,000 कर्मचारी, एचडीएफसी बैंक में 120,000 कर्मचारी आइसीआइसीआइ बैंक में 97,000 कर्मचारी एवं टीवीएस समूह में 60,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। इन औद्योगिक समूहों में नए कर्मचारियों की भर्ती भी भारी संख्या में की जा रही है। अब भारत के लिए भी यह कहा जा सकता है कि सरकारी क्षेत्र के साथ साथ निजी क्षेत्र में भी निवेश बढ़ रहा है एवं इससे निजी क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर भारी मात्रा में निर्मित हो रहे हैं, जो कि देश के लिए एक अच्छा संकेत है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी की गई एक रिसर्च प्रतिवेदन में भी बताया गया है कि भारत में अप्रेल-जून 2021 की तिमाही में राष्ट्रीय पेंशन योजना एवं कर्मचारी प्रॉविडेंट फंड योजना (एनपीएस एवं ईपीएफओ) में 30.74 लाख पेरोल जोड़े गए। इनमें 16.3 लाख नए पेरोल जोड़े गए एवं 11.8 लाख पुराने पेरोल को पुनः प्रारम्भ किया गया अर्थात कोरोना महामारी के चलते जिन लोगों ने अपने रोजगार को खो दिया था उनका रोजगार पुनः प्रारम्भ हो गया है एवं इस प्रकार, उनके पुराने पेरोल पुनः प्रारम्भ हो गए हैं। कोरोना महामारी के प्रथम एवं द्वितीय दौर से बाहर निकलकर आर्थिक गतिविधियों में सुधार के चलते अब आगे आने वाले समय में देश में रोजगार के नए अवसर तेज गति से निर्मित होने की सम्भावना भी कई अन्य रोजगार पोर्टल कम्पनियों द्वारा भी व्यक्त की गई है। केंद्र सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के चलते बेरोजगारी की दर में भी अब कमी देखी गई है। सीएमआईई (CMIE) इंडिया बेरोजगारी दर जो अप्रेल 2020 में 27.11 प्रतिशत के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी, वह मार्च 2021 में गिरकर 6.52 प्रतिशत तक नीचे आ गई थी। परंतु कोरोना महामारी के दूसरे दौर के बाद बेरोजगारी की दर पुनः 9.4 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर एवं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर 10.3 प्रतिशत के उच्चतम स्तर एवं ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी की दर 8.9 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी, जिसमें अब काफी सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। अब देश के कुछ क्षेत्रों में तो कुछ समय पूर्व तक श्रमिक उपलब्ध ही नहीं हो पा रहे थे। जैसे तिरुपुर, जो देश का सबसे बड़ा वस्त्र उत्पादन केंद्र है, में कुल श्रमिकों की क्षमता के मात्र 60 प्रतिशत श्रमिक ही उपलब्ध हो पा रहे थे। इसी प्रकार सूरत में, जहां रत्न एवं आभूषण निर्माण की 6,000 इकाईयां कार्यरत हैं एवं जहां 400,000 से अधिक बाहरी श्रमिक कार्य करते हैं, में भी 40 प्रतिशत श्रमिक अभी भी काम पर नहीं लौटे थे। चेन्नई के चमड़ा उद्योग में भी 20 प्रतिशत कम श्रमिकों से काम चलाया जा रहा था। देश में दरअसल उद्योगों में तो पूरे तौर पर उत्पादन कार्य प्रारम्भ हो चुका है परंतु श्रमिक अभी भी अपने गावों से वापिस इन उद्योगों में काम पर नहीं लौटें हैं। इस प्रकार कुछ क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तो उपलब्ध हैं परंतु श्रमिक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं।

भाईचारा

आचार्य रजनीश ओशो/ कितनी आसानी से आए दिन बहुसंख्यक शब्द का प्रयोग हिंदू धर्म के मानने वालों के लिए किया जाता है और अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए किया जाता है। यह प्रयोग यही दिखाता है कि धार्मिक पहचान हमारे मन-मस्तिष्क में कितनी गहरी पैठी हुई है। . मनीषियों का तर्क है कि 'मत भूलिए कि हम हिंदू हैं और हम हर धर्म का आदर करते हैं और यह सहिष्णुता ही हमारी पहचान है जो हमें औरों से अलग पहचान देती है' ।बस, यही मनोविज्ञान हमारी समस्या है, हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का फलसफा समझाने वाले अंत में अपने तथाकथित धर्म की विशिष्टता बताने का मोह नहीं छोड़ पाते। यही बात किसी मुस्लिम धर्म को मानने वाले ने कही होती तो इस तरह होती शायद, 'मत भूलिए कि हम मुस्लिम हैं और कुरान पाक मानवता का पाठ पढ़ाती है, हमारी यही बात हमें औरों से अलग पहचान देती है'। एकता और भाईचारे की बात करते हुए कितनी खूबसूरती से अलग हो गए दोनों। इस विषय में ओशो के विचार बिल्कुल व्यावहारिक हैं। तनिक ध्यान से सुनें, ओशो कहते हैं- 'हिंदू मुस्लिम को भाई-भाई समझाने से ये धार्मिक भेदभाव समाप्त नहीं होंगे। ऐसा करने से कुछ फायदा तो हुआ नहीं है, वरन नुकसान अधिक हुआ है। हिंदुस्तान के समझदार नेता हिंदू और मुसलमान को भाई-भाई होना न समझाते तो शायद पार्टीशन न होता। उसके कारण हैं। जब हमने पचास साल तक निरंतर कहा कि हिंदू-मुसलमान भाई-भाई हैं। फिर भी हिंदू-मुसलमान साथ-साथ रहने को राजी नहीं हुए तो भाई-भाई के तर्क ने लोगों को ख्याल दिया कि अगर दो भाई साथ न रह सकें तो संपत्ति का बंटवारा कर लेना चाहिए। गांधी जी ने हिंदुस्तान को मुसलमान-हिंदू के भाई-भाई की शिक्षा न दी होती तो पार्टीशन का लॉजिक ख्याल में भी नहीं आ सकता था। हम कभी नहीं कहते कि ईसाई-ईसाई भाई-भाई हैं। हम यह क्यों कहते हैं कि मुसलमान-हिंदू भाई-भाई हैं। यह 'भाई-भाई' का कहना जो है, खतरे की सूचना है। इससे पता चलना शुरू हो गया कि झगड़ा खड़ा है..'। इसका हल है कि हम प्रेम करें। प्रेम का पाठ पढ़ाएं, प्रेम का पाठ पढ़ें। क्योंकि, प्रेम शुरू पहले हो जाता है, पता पीछे चलता है-कौन हिंदू है, कौन मुसलमान है। और जब एक बार प्रेम शुरू हो जाए तो हिंदू-मुसलमान दो कौड़ी की बातें हैं। उनको आसानी से फेंका जा सकता है। जहा प्रेम नहीं है, वहीं इन बातों का मतलब है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

भटक गए हैं हमारे आदर्श

प्रकाशनार्थ - डॉ. दीपक आचार्य

हमारे जीवन की दशा और दिशा अब करीब-करीब पूरी बदलती ही जा रही है। पहले हम अच्छे इंसान बनने और सर्वोत्तम मानव होने की प्रतिष्ठा पाने के लिए पूरा जीवन होम दिया करते थे, अपने स्वार्थ केन्द्रित और आत्मस्वार्थी खुदगर्ज स्वभाव को छोड़कर समाज, क्षेत्र और देश के लिए जीते थे और लगातार दिन-रात कर्मरत रहते हुए किसी न किसी क्षेत्र या विषय विशेष में महारत हासिल कर अपने व्यक्तित्व को प्रखर एवं लोकोपयोगी बनाते हुए समाज की सेवा एवं परोपकार के लिए समर्पित होने के लिए आतुर रहा करते थे। बीते जमाने में हर कोई हुनरमन्द होता था और समाज तथा क्षेत्र के लिए उसकी उपयोगिता हुआ करती थी। इसी सामूहिक कौशल शक्ति के बल पर हमारे पुरखे ऐसे-ऐसे काम कर गए जिन्हें आज भी श्रद्धा, सम्मान और गौरव के साथ याद किया जाता है। पुराने समय में हर व्यक्ति अपने आपको उच्चतम स्तर तक निखारने और इंसान के रूप में सर्वोच्च प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए समर्पित एवं लगनशील रहता था। और इस सारी प्रक्रिया में न उसका किसी से कोई दुराव या प्रतिस्पर्धा भाव था और न ही किसी प्रकार का कोई असम्मान या प्रतिशोध। जो कुछ अर्जित किया जाता था वह प्रेम भाव से, गुरु-शिष्य परम्परा को आस्थापूर्वक निभाते हुए, सम्पूर्ण कृतज्ञता भाव से भरे हुए। इससे जुड़े साधनों और मार्गों में भी कोई शुचिताहीनता या भेदभाव नहीं था। हर व्यक्ति को मानव जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य के बारे में पता होता था और उसी को ध्यान में रखकर वह अपने जीवन की दिशा और भविष्य के रास्तों और लक्ष्यों को तय करता हुआ आगे बढ़ता था। उसे अच्छी तरह इस बात का भान था कि वह समाज के लिए है, राष्ट्र के लिए है, इसलिए इनके सिवा सारी बातें, व्यक्ति और प्रवाह का कोई ज्यादा असर नहीं हुआ करता था। इंसान को अच्छी तरह पता होता था कि मानव जीवन केवल एक बार शरीर धारण करने तक सीमित नहीं है बल्कि बार-बार जन्म लेना पड़ता है और तब कहीं जाकर मोक्ष प्राप्त हो सकता है। इसलिए वह अपने शरीर को साधन मानकर बौद्धिक और शारीरिक रूप से उत्तरोत्तर समृद्ध बनने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहता था। उसे यह ज्ञान था कि इस जन्म में जो कुछ संचित होगा, वह अगले जन्म तक जुड़ता रहेगा और मरणोपरान्त मनुष्य के रूप में अच्छे कर्म करता रहा, तो आने वाला जन्म मनुष्य का ही प्राप्त होगा। इसलिए पुरुषार्थ और परिश्रम में कहीं कोई कमी नहीं रखता। किसी के कहने पर नहीं बल्कि वह स्वैच्छिक रूप से अपने आप अपने, समाज और क्षेत्र के कामों में भागीदारी निभा लेता था और उन कामों से उसे जो आत्म संतुष्टि और आनन्द प्राप्त होता था वह वर्णनातीत हुआ करता था। जीवन को भी उल्लास एवं आनंद से भरा रखता था तथा श्रेष्ठ कर्मों और सेवा-परोपकार की वजह से उसका पुण्य भण्डार भी लगातार बढ़ता रहता। बीते युगों से लेकर हाल के तीन-चार दशकों तक यह आदर्श स्थिति देखी जा सकती थी लेकिन अब जिस तरह के लोग सामने आ रहे हैं उन्हें देख कर लगता है कि वर्क कल्चर, सेवा भाव और परोपकार की भावनाएं खत्म होती जा रही हैं। लोग काम करना ही नहीं चाहते। कुछ अतिरिक्त न मिले, तो हिले-डुले तक नहीं। अब ऐसे-ऐसे लोग सामने आते जा रहे हैं जिन्हें पुरुषार्थ और मेहनत से कोई सरोकार नहीं, न काम करना चाहते हैं, न काम हो पाता है। देश का सौभाग्य है कि पुरानी पीढ़ी के कुछ फीसदी निष्ठावान, समर्पित और समाजोन्मुखी लोगों के कारण से सब कुछ चल पा रहा है अन्यथा आज के युवाओं की स्थिति इनके कर्मयोग और समर्पित निष्ठाओं, त्याग-तपस्या और जिजीविषा के आगे कुछ भी नहीं है। पुराने जमाने के लोगों ने जिन पारिवारिक, भौगोलिक, आर्थिक विषमताओं, अभावों और समस्याओं में झूझते रहकर जो कुछ किया है, उसकी कल्पना आज के युवा नहीं कर सकते। इन युवाओं का भी दोष नहीं है। पुरानी और नई पीढ़ी के बीच वाली पीढ़ी में खूब सारे लोग ऐसे नुगरे, निरंकुश और स्वेच्छाचारी निकल गए हैं जिन्हें लगता है कि स्वाधीनता का अर्थ यही है कि काम-धाम कुछ न करना पड़े, बंधी-बंधायी मिलती रहे, एक्स्ट्रा के लिए जुगाड़ में रमे रहकर पैसा बनाओ और अपने घर भरते रहो। इन लोगों में ही काफी फीसदी ऐसे हैं जो आदतन मुफ्तखोर माँसाहारी, शराबी, व्यसनी, दैहिक आनंद के रसिया और शरीर को ही सर्वस्व मानकर सम्पूर्ण भोगों में लिप्त रहकर टाईमपास करते हुए जी रहे हैं। इन्हें अपनी संस्थाओं, संस्थानों, समाज, क्षेत्र और देश से कुछ भी लेना-देना नहीं रहा। और इन सारी भोग सामग्री को मुफ्त में पाने के लिए ये जिस तरह की हरकतें करते रहे हैं, इस बारे में सभी को पता है। भय, प्रलोभन, झाँसे, काम निकलवाने की शर्तों आदि कई प्रकार की चाशनिया बातों में उलझाते हुए सब कुछ मुफ्त में, हराम का पाने-पीने के आदी इन लोगों को किसी से कोई भय नहीं रहा क्योंकि अब इन्हीं जैसे लोगों का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है। ऐसे लोग जिन घर-परिवार और संस्थानों में होते हैं उनका बंटाढार अपने आप हो ही जाता है क्योंकि दुर्व्यसनी इंसानों के अंग-प्रत्यंग शिथिल रहा करते हैं और एक समय बाद उस जीवात्मा को अपना सम्बल देना बंद कर देते हैं क्योंकि भीतर से कुलबुलाई हुई आत्मा इन कुकर्मियों के पापी शरीर को छोड़कर बाहर निकलना चाहती है। हैरत की बात ये है कि ऐसे लोग धर्म के नाम पर होने वाले आयोजनों में ऐसी श्रद्धा दिखाते हैं जैसे कि इनके मुकाबले का कोई धार्मिक और कोई हो ही नहीं। धर्म और देश का भी यह दुर्भाग्य है कि बाबा, महंत, महामण्डलेश्वर और धर्म के नाम पर धंधे चलाने वाले लोग भी इन शोषकों, व्यभिचारियों और नशेड़ियों के साथ संबंध रखते हुए इनके पैसों से धार्मिक आयोजन कराने में रुचि लेते हैं। जिस धार्मिक आयोजन में ऐसी अलक्ष्मी लगी हो, ऐसे दुराचारी और कर्महीन लोग जुड़े हों, उस आयोजन को कैसे धार्मिक कह सकते हैं। लानत है हमारे इन लालची, लोभी और धूर्त-मक्कार साधु-संतों, महंतों और बाबाओं को, और उनकी अनुचरी करने वाले अनुयायियों को भी। पता नहीं धर्म कहाँ जा रहा है। जिस धर्म में दुराचारियों, भ्रष्टाचारियों, शराबी व माँसाहारियों, शोषकों, अमानवीय लोगों का पैसा लगा होता है वहाँ न कोई देवी-देवता आते हैं, न लोक देवता। दुनिया भर में एक तरफ इन लोगों के भार से पृथ्वी दबी जा रही है वहीं दूसरी ओर समाज और संसार भी दुःखी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वाली इस संक्रामक और वर्णसंकरी कही जा सकने वाली मुफ्तखोर और आलसी पीढ़ी का सर्वाधिक नुकसान हमारी युवा पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है क्योंकि सब जगह न्यूनाधिक रूप में इस किस्म के नाकारा और कामटालू लोगों को देखकर नई पीढ़ी के लोग भी इनकी तरह आलसी हो जाते हैं और सोचते हैं कि जितना कम से कम करना पड़े, उतना अच्छा। हमारे से पहले वाले भी कौन का पूरा काम कर रहे हैं। जबकि नई पीढ़ी के लोगों को सिखाने, कर्मयोग में दक्ष बनाने और अपनी संस्थान या संस्था के लिए ज्यादा से ज्यादा उपयोगी बनाने का काम इन पुराने लोगों का है, लेकिन जब वे ही ऐसे निकल जाएं तो फिर किससे उम्मीद रखें। यही कारण है कि आजकल नए लोग भी इन नाकारा, थकेहारे और आलसी-दरिद्री लोगों को अपना आदर्श मानने की दिशा में आगे बढ़ते जा रहे हैं। इससे न केवल संस्थान का नुकसान होता है बल्कि समाज, मातृभूमि और कर्मभूमि तथा समूचे देश के साथ कुठाराघात हो रहा है। ऐसे निराशाजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हालातों के बावजूद नई पीढ़ी अपने हुनर और शिक्षा-दीक्षा तथा अनुभवों के आधार पर बदलाव लाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके लिए कर्म के प्रति निष्ठा रखने वाले ये युवा धन्यवाद के पात्र हैं। साथ ही वे पुराने लोग भी, जो कि सम सामयिक अनाचारों और व्यसनों से दूर रहकर काम को ही पूजा मानकर अब तक अपने श्रेष्ठ और समर्पित कर्मयोग के बूते अनुकरणीय उदाहरण पेश करते हुए इस बात को सिद्ध कर रहे हैं कि पुराने घी में बहुत कुछ दम रहा है और रहेगा।

मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 125 अंक टूटा, निफ्टी 17,600 के नीचे बंद

(एजेंसी):

शेयरों के ऊंचे भाव पर निवेशकों की मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 125 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 59,737 के उच्च स्तर तक चला गया था। कारोबार के दौरान तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में 866 अंक का उतार-चढ़ाव आया। अंत में यह 125.27 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,015.89 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 44.35 अंक यानी 0.25 प्रतिशत फिसलकर 17,585.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 17,792.95 अंक के उच्चतम स्तर तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में कोटक बैंक रहा। इसके अलावा, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, मारुति, एक्सिस बैंक और नेस्ले इंडिया में भी प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ गिरावट वाले शेयरों में टाटा स्टील, एसबीआई, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''टीकाकरण की तेज गति और निर्यात आंकड़ा उत्साहजनक रहने के साथ बाजार 60,000 के करीब पहुंचा लेकिन जीएसटी परिषद की बैठक के परिणाम आने से पहले मुनाफावसूली के कारण लाभ बरकरार नहीं रह पाया। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, टोक्यो, सियोल और हांगकांग लाभ में रहें। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत फिसलकर 75.26 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

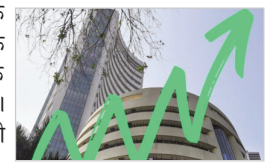

एप्पल ने डेवलपर्स के लिए एप स्टोर मार्केटिंग टूल किया लॉन्च

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल ने एप स्टोर डेवलपर्स के लिए नए मार्केटिंग टूल्स की घोषणा की है, जो अपने एप्लीकेशंस को बढ़ावा देगा। नए मार्केटिंग टूल की लॉन्चिंग आईओएस 15 और वॉचओएस 8 की रिलीज से पहले हुआ है। 9टू5मैक रिपोर्ट के अनुसार, अपनी डेवलपर वेबसाइट पर एक पोस्ट में,एप्पल ने बताया कि नए मार्केटिंग टूल डेवलपर्स के लिए अपने एप्लिकेशन को बढ़ावा देने के लिए बैनर और इमेज जैसी संपत्ति बनाना आसान बनाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ ही क्लिक में, डेवलपर्स ऐप आइकन, एक क्यूआर कोड या ऐप स्टोर बैज सहित कस्टम एसेट्स बना सकता हैं। कंपनी ने कहा, अब आप आसानी से कस्टम मार्केटिंग एसेट बना सकते हैं - जैसे बैनर और इमेज - सोशल मीडिया और अन्य पर अपने ऐप को बढ़ावा देने के लिए। बस अपना ऐप चुनें, एक टेम्प्लेट चुनें, अपना डिजाइन कस्टमाइज करें, और कई भाषाओं में प्रीसेट संदेश जोड़ें। आपकी संपत्ति तुरंत सभी सही आकारों में उपलब्ध होगी, जिससे साझा करना पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगा।

ओला इलेक्ट्रिक का रिकॉर्ड प्रदर्शन जारी, 2 दिनों में 1,100 करोड़ रुपये के स्कूटर बेचने का रिकार्ड

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने शुक्रवार को घोषणा की है कि उसने दो दिनों में 1,100 करोड़ रुपये के ई-स्कूटर बेचे हैं। इससे कंपनी का रिकॉर्ड प्रदर्शन जारी है। कंपनी ने शुक्रवार को एक ट्वीट में लिखा, 2 दिनों में, हमने बिक्री में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। यह न केवल मोटर वाहन उद्योग में अभूतपूर्व है, बल्कि यह भारतीय ई-कॉमर्स में एकल उत्पाद के लिए एक दिन में (मूल्य के आधार पर) सबसे अधिक बिक्री इतिहास में से एक है। हम वास्तव में एक डिजिटल भारत में रह रहे हैं। फर्म ने जुलाई में घोषणा की थी कि उसके इलेक्ट्रिक स्कूटर को पहले 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड-तोड़ 100,000 आरक्षण प्राप्त हुए, जिससे यह दुनिया में सबसे पहले से बुक किया गया स्कूटर बन गया। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, जबकि खरीद विंडो अब बंद हो गई है, हमारे आरक्षण ओला इलेक्ट्रिक डॉट कोम पर खुले हैं और मैं आप सभी को यह बताना चाहता हूं कि हम दिवाली के समय में 1 नवंबर, 2021 को खरीदारी विंडो फिर से खोलेंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने 15 जुलाई की शाम को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए आरक्षण खोला। ओला एस 1 और एस 1 प्रो को एक महीने बाद 15 अगस्त को लॉन्च किया गया था। खरीद प्रक्रिया में रंग और संस्करण का चयन करना, ऋण का चयन करना या अग्रिम भुगतान करना और डिलीवरी की तारीख प्राप्त शामिल है। डिलीवरी अगले महीने से शुरू हो जाएगी। खरीद के 72 घंटों के भीतर खरीदारों को अनुमानित डिलीवरी तारीख के बारे में सूचित किया जाएगा। ओला एस1 की कीमत 99,999 रुपये है; ग्राहकों को 1,29,999 रुपये (एक्स-शोरूम) देने होंगे। इन कीमतों में फेमी आईटी सब्सिडी शामिल है, लेकिन इसमें राज्य की सब्सिडी शामिल नहीं है कंपनी ने कहा कि ई-स्कूटर को व्यापक रूप से सुलभ बनाने के लिए आक्रामक तरीके से कीमत तय की जाएगी। वे तमिलनाडु में कंपनी के अत्याधुनिक फ्यूचरफैक्ट्री से शुरू होगा।

सैमसंग अक्टूबर में ऑनलाइन आयोजित करेगा डेवलपर सम्मेलन

सियोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने घोषणा की है कि कोविड-19 महामारी के बीच उसका प्रौद्योगिकी सम्मेलन अगले महीने पहली बार ऑनलाइन होगा। दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज ने कहा कि उसने 26 अक्टूबर को सैमसंग डेवलपर कॉन्फ्रेंस (एसडीसी) आयोजित करने का फैसला किया है। यह कार्यक्रम पिछले साल कोविड -19 चिंताओं के कारण रद्द कर दिया गया था। एसडीसी, जो 2013 में शुरू हुआ था, एक वार्षिक कार्यक्रम है जो हजारों डेवलपर्स, सामग्री निमार्ता और डिजाइनरों को भविष्य की तकनीकों और सेवाओं पर चर्चा करने के लिए के साथ आते है। सैमसंग इस इवेंट में अपनी आने वाली तकनीकों और सॉफ्टवेयर विजन का अनावरण भी कर सकती है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एसडीसी आमतौर पर सिलिकॉन वैली, कैलिफोर्निया के पास आयोजित किया जाता है, जहां प्रमुख आईटी कंपनियां अक्टूबर और नवंबर के बीच एक साख आते हैं। सम्मेलन में शुरूआती दिनों में मोबाइल प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में, इसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के क्षेत्रों में नए समाधान भी प्रस्तुत किए है। 2019 एसडीसी में, लगभग 5,000 लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न तकनीकों और सेवाओं पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया जो यूजर्स अनुभव को बेहतर बनाया हैं।

आईफोन 13प्रो में आईफोन 12प्रो की तुलना में 55फीसदी बेहतर ग्राफिक्स

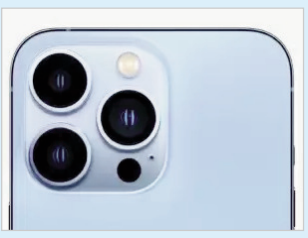

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल ने आईफोन 13 प्रो और आईफोन 13 प्रो मैक्स को ए15 बायोनिक के साथ पेश किया है जो दोनों मॉडलों में 5-कोर जीपीयू के साथ चल रहा है। अब, एक गीकबेंच परिणाम से पता चलता है कि आईफोन 13प्रो पिछले साल के आईफोन 12प्रो की तुलना में 55 प्रतिशत बेहतर ग्राफिक्स प्रदर्शन प्रदान करता है। मैकरूमर्स की रिपोर्ट, आईफोन 13 प्रो को बेंचमार्क किया गया था, और इसने जीपीयू श्रेणी में 14216 अंक प्राप्त किए। इसकी तुलना में, पिछले साल के आईफोन 12 प्रो ने अपने ए14 बायोनिक के साथ एक ही परीक्षण में 9123 अंक जमा किया। आईफोन 13 प्रो और आईफोन 13 प्रो मैक्स की ए15 बायोनिक चिप में शामिल जीपीयू आईफोन 12 प्रो और आईफोन 12 प्रो मैक्स के जीपीयू से करीब 55 फीसदी ज्यादा पावरफुल है। वर्तमान में, नियमित 13 मॉडल के साथ कोई बेंचमार्क परीक्षण नहीं किया गया है। आईफोन 13 मिनी और आईफोन 13 में ए15 बायोनिक चिप से जीपीयू में चार कोर हैं। आईफोन 13 प्रो और आईफोन 13 प्रो मैक्स में ए15 बायोनिक चिप के लिए, जीपीयू में कुल पांच कोर के लिए एक अतिरिक्त कोर है। एप्पल ने ए15 के 5-कोर जीबीयू वर्जन को दुनिया की सबसे तेज स्मार्टफोन चिप कहा है, और वादा किया है कि यह किसी भी अन्य स्मार्टफोन चिप की तुलना में 50 प्रतिशत तेज ग्राफिक्स प्रदर्शन प्रदान करता है। आईपैड मिनी में 5-कोर जीपीयू के साथ समान ए15 चिप है। जो आईफोन 13 प्रो मॉडल में है, एप्पल के अपडेटेड टैबलेट से भी समान ग्राफिक्स प्रदर्शन की उम्मीद है।

रेलवे ने शरू की नई योजना, 50,000 युवाओं को देगा ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी):

रेल कौशल विकास योजना के तहत रेलवे अगले तीन वर्षों में 18 से 35 साल के 50,000 युवाओं को प्रशिक्षित करेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इस योजना का शुभारंभ किया। रेलवे द्वारा जारी एक बयान के अनुसार योजना के तहत युवाओं को रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों में उद्योग से संबंधित कौशल में प्रशिक्षण दिया जाएगा। रेल कौशल विकास योजना (आरकेवीवाई) आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक पहल है और यह आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला का भी हिस्सा है। वैष्णव ने योजना की शुरुआत करते हुए कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक्स के इस युग में ये कौशल बेहद प्रासंगिक होंगे। मैं इसके सबसे अच्छे पहलू के बारे में सबसे अधिक खुश हूं, वह यह है कि प्रशिक्षण शहरों से अलग दूरदराज के इलाकों में उपलब्ध होगा।'' प्रशिक्षण कार्यक्रम चार श्रेणियों - इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मशीनिस्ट और फिटर, में आयोजित किए जाएंगे और देश भर से चुने गए प्रतिभागियों को 75 रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों में 100 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा। रेलवे ने कहा, ''इन संस्थानों द्वारा समय-समय पर इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे और प्रतिभागियों का चयन मैट्रिक में मिले अंकों जैसी पारदर्शी व्यवस्था के आधार पर किया जाएगा। हालांकि, प्रतिभागी का इस तरह के प्रशिक्षण के आधार पर रेलवे में रोजगार पाने का कोई दावा नहीं कर सकेंगे। '' कार्यक्रम के लिए बनारस लोकोमोटिव वर्क्स ने पाठ्यक्रम विकसित किया गया है, जो इस योजना के लिए नोडल इकाई है। मंत्रालय ने कहा कि इस योजना की शुरुआत 1,000 प्रतिभागियों के साथ की जा रही है और तीन साल की अवधि में 50,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बयान में कहा गया, ''प्रशिक्षुओं को एक मानकीकृत मूल्यांकन से गुजरना होगा और कार्यक्रम के पूरा होने पर उन्हें रेलवे/ राष्ट्रीय रेल एवं परिवहन संस्थान द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा।''

NARCL को 30,600 करोड़ रुपए की सरकारी गारंटी ऐतिहासिक कदम- उद्योग जगत

नई दिल्ली (एजेंसी):

राष्ट्रीय संपत्ति पुर्नगठन कंपनी लि. (एनएआरसीएल) के लिए 30,600 करोड़ रुपए की सरकारी गारंटी की घोषणा से उत्साहित उद्योग जगत ने बृहस्पतिवार को इस कदम को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि इस निर्णय से कर्ज में फंसी संपत्ति का समाधान करने और उसे उपयोग में लाने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को फंसे कर्ज वाली संपत्तियों के अधिग्रहण को लेकर एनएआरसीएल के लिये 30,600 करोड़ रुपए की सरकारी गारंटी की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में एनएआरसीएल द्वारा जारी की जाने वाली प्रतिभूति रसीदों के लिए सरकारी गारंटी देने का निर्णय किया गया। उद्योग मंडल सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि इस कदम से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बहीखाते साफ करने की पहल पूरी हो जाएगी, जिसकी शुरुआत 2015 में परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा के साथ हुई थी। बनर्जी ने कहा, ''सरकारी बैंक द्वारा उधार देने के जोखिम से बचने के प्रमुख कारणों में से एक उच्च एनपीए से बैंकों को होने वाली परेशानी भी रही है। इसके कारण फंसे ऋण में वृद्धि भी हुई है। बैड बैंक की व्यवस्था के जल्द शुरू होने के साथ ऋण वसूली में आने वाली सबसे बड़ी बाधा को हटा दिया गया है। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि गारंटी प्रदान करने के लिए सरकार की मंजूरी ''अत्यधिक प्रशंसनीय है। इससे देश में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का तेजी से समाधान होगा। उन्होंने कहा, ''इस कदम से फंसे कर्ज के रूप में अटकी पड़ी पूंजी को निकालने में मदद मिलेगी, जिसका अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में उधार देने और खर्च करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।''

वही फिक्की ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कदम है और देश के बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों की प्रक्रिया को जारी रखने का संकेत देता है। उसने कहा, ''सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में एनपीए के कारण बैंकिंग क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सुविचारित रणनीति अपनाई है। एनएआरसीएल की शुरुआत से इस प्रक्रिया को और अधिक बल मिलेगा।''

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 1,130 रुपये नीचे आकर कर 45,207 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 46,337 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 708 रुपये नीचे आकर 60,183 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,891 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त लेकर 1,762 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया जबकि चांदी 22.95 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही। मजबूत अमेरिकी खुदरा बिक्री के आंकड़ों के पांच सप्ताह के निचले स्तर पर गिरने के बाद सोने में यह गिरावट आई है।

दूरसंचार क्षेत्र के सुधार पैकेज से कंपनियों को कारोबार बनाए रखने में मदद मिलेगी: मूडीज

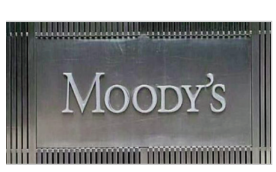

नई दिल्ली (एजेंसी):

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने शुक्रवार को कहा कि दूरसंचार क्षेत्र के लिए सरकार द्वारा घोषित सुधार पैकेज से कंपनियों को अपना कारोबार बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह एयरटेल एवं जियो समेत दूरसंचार क्षेत्र की सेवा प्रदाता कंपनियों के लिए सकारात्मक है तथा बाजार में तीन निजी एवं एक सरकारी कंपनी (3+1) के ढांचे के लिए मददगार है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को संकटग्रस्त दूरसंचार क्षेत्र के लिए बड़े सुधार पैकेज को मंजूरी दी थी। इस पैकेज में सांविधिक बकाए के भुगतान से चार साल की मोहलत, दुलर्भ रेडियो तरंगों को साझा करने की मंजूरी, सकल समायोजित राजस्व (एजीआर) की परिभाषा में बदलाव तथा स्वतः मंजूरी मार्ग से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मंजूरी शामिल हैं। एजीआर के आधार पर ही कंपनियों को शुल्क का भुगतान करना होता है। इन राहत उपायों का मकसद वोडाफोन आइडिया जैसी कंपनियों को राहत प्रदान करना है। कंपनी को पिछले सांविधिक बकाया मद में हजारों करोड़ रुपए देने हैं। इन उपायों में भविष्य में स्पेक्ट्रम नीलामी में अधिग्रहण किए जाने वाले स्पेक्ट्रम के मामले में स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) को खत्म करना भी शामिल है। मूडीज ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि गैर- दूरसंचार राजस्व को बाहर रखने के लिए एजीआर की परिभाषा में बदलाव से अंततः क्षेत्रवार ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि इससे दूरसंचार कंपनियों द्वारा दिया जाने वाला लाइसेंस शुक्ल कम हो जाएगा। मूडीज ने कहा कि कुल मिलाकर ये सुधार भारती एयरटेल और रिलायंस जियो सहित भारतीय दूरसंचार कंपनियों की साख के लिए सकारात्मक हैं, क्योंकि वे पुनर्निवेश के लिए नकदी प्रवाह को मुक्त करते हैं, अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी में और निवेश को सक्षम करते हैं। साथ ही तीन निजी एवं सरकार के स्वामित्व वाली एक दूरसंचार कंपनी के ढांचे के लिए सहायता प्रदान करते हैं।

बायजू ने 112 आकांक्षी जिलों में बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने के लिए नीति आयोग के साथ साझेदारी की

BYJU'S The Learning App

नई दिल्ली: (एजेंसी)

शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बायजू ने देशभर के 112 'आकांक्षी जिलों' में अपने तकनीक आधारित शिक्षण कार्यक्रमों में बच्चों को मुफ्त पहुंच प्रदान करने के लिए नीति आयोग के साथ साझेदारी की है। बायजू ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस साझेदारी में एक कार्य समूह की स्थापना की परिकल्पना की गई है जो ज्ञान, नवाचार और रणनीति समर्थन प्रणाली तैयार करेगा। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा, ''प्रौद्योगिकी ने निरंतरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और बहुत सी कक्षाएं वर्तमान में 'ऑनलाइन' रूप से चल रही है।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग परिवर्तन में सहायता कर सकता है। बायजूज के जुड़ने के साथ इन आकांक्षी जिलों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। बायजू के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी बायजू रवींद्रन ने कहा, ''सभी के लिए शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से हम देश भर में लाखों बच्चों को सशक्त और प्रभावित कर रहे हैं। नीति आयोग के साथ साझेदारी से हमारे प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज को आगे ले जाने की कुंजी है और हमारा मानना है कि सभी बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के हकदार हैं।

अर्थव्यवस्था मजबूती के रास्ते पर, संभावनाएं हो रही बेहतर: आरबीआई बुलेटिन

मुंबई: भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के रास्ते पर है और इसके लिए संभावनाएं काफी उज्ज्वल है। इसका कारण कोविड महामारी की दूसरी लहर का असर कम होना तथा अर्थव्यवस्था का उससे बाहर निकलने के साथ भविष्य के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पत्रिका में यह बात कही गई है। पत्रिका के सितंबर अंक में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि सकल मांग में तेजी आ रही है। वहीं आपूर्ति पक्ष की ओर देखा जाए तो आईआईपी (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक) और बुनियादी उद्योग औद्यागिक गतिविधियों में सुधार को प्रतिबिंबित कर रहे हैं। जबकि सेवा क्षेत्र के संकेतक सतत पुनरूद्धार को बता रहे हैं। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम ने लेख में लिखा है, ''हमारा मानना है कि अगस्त में देश महत्वपूर्ण पड़ाव से गुजरा है तथा सितंबर में यह और सुदृढ़ होगा।%% इसमें यह भी कहा गया है कि मुद्रास्फीति में वृद्धि की गति धीमी पड़ रही है और यह अनुमान से कहीं ज्यादा अनुकूल है। लेख में कहा गया है, ''महामारी का प्रभाव कम होने तथा उत्पादकता में वृद्धि के साथ आपूर्ति की स्थिति सुधार से मुख्य मुद्रास्फीति (कोर इनफ्लेशन) नरम होने की उम्मीद है। इससे मौद्रक नीति का रुख और अधिक वृद्धि को गति देने वाला होगा। केंद्रीय बैंक ने हालांकि कहा है कि लेख में अभिव्यक्त विचार लेखकों के हैं और कोई जरूरी नहीं है कि यह आरबीआई के विचारों के अनुरूप हों। इसमें कहा गया है कि अगस्त महीने में आर्थिक स्थिति पटरी पर लौटती दिखी। इसका कारण महामारी की रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों से विभिन्न क्षेत्रों में ढील दिए जाने तथा टीकाकरण अभियान में तेजी से वृद्धि है। लेख में लिखा गया है, ''भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संभावनाएं काफी मजबूत है। इसका कारण कोविड महामारी की दूसरी लहर का असर कम होना तथा अर्थव्यवस्था का उससे बाहर निकलने के साथ भविष्य के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां हैं।%% सकल मांग के बारे में लेख में लिखा गया है कि ई-वे बिल महामारी-पूर्व फरवरी 2020 की स्थिति से अधिक है। यह आने वाले समय में अधिक जीएसटी संग्रह का संकेत देता है। इसके अलावा, वाहनों की खुदरा बिक्री बढ़ी है। हालांकि, इसका कारण पिछले साल अगस्त में तुलनात्मक आधार का कमजोर होना भी है।

IRDAI का बड़ा फैसला, कोरोना कवच और कोरोना रक्षक पॉलिसी की बढ़ाई डेडलाइन

(एजेंसी):

कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है, ऐसे में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (IRDAI) ने कुछ चुनिंदा हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी की डेडलाइन को आगे बढ़ा दिया गया है। नए नोटिफिकेशन के अनुसार कोरोना कवच पॉलिसी और कोरोना रक्षक पॉलिसी की डेडलाइन बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी गई है। पहले यह 30 सितंबर थी।

क्या हैं ये पॉलिसी

कोरोना कवच एक स्टैंडर्ड बीमा पॉलिसी है। इसमें कोरोना मरीजों के इलाज पर अस्पताल का खर्च कवर होता है। इसके बेसिक कवर में बीमा राशि 50 हजार से 5 लाख रुपए तक है। पॉलिसीधारक को यह कवर साढ़े तीन महीने, साढ़े छह महीने और साढ़े नौ महीने के लिए मिलता है। नई पॉलिसी पर प्रतिरक्षा अवधि 15 दिन है। इस पॉलिसी को 18 से 65 साल की उम्र का कोई भी व्यक्ति खरीद सकता है। वहीं, कोरोना रक्षक पॉलिसी में 50 हजार से 2.5 लाख रुपए का कवर मिलता है। इन पॉलिसी में कोरोना इलाज से जुड़े सभी खर्चे शामिल हैं। साथ ही बीमा धारक को दूसरी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के मुकाबले कम प्रीमियम चुकाना होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगले एकदिवसीय विश्व कप में शायद ही कप्तान रहे विराट

नई दिल्ली । टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली की एकदिवसीय टीम की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। विराट ने गुरुवार को ही टी20 प्रारुप की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी , साथ ही कहा था कि अब वह अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देंगे पर अब कहा जा रहा है कि एकदिवसीय में भी उन्हें टी20 जैसी ही परेशानी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि वहां भी उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी नहीं रही है। कोहली ने कहा है कि वह अन्य दो प्रारूपों में कप्तान बने रहेंगे लेकिन कोई भी स्पष्ट तौर पर यह नहीं कह सकता कि वह साल 2023 में होने वाले विश्व कप में भारत की 50 ओवर की टीम के कप्तान होंगे या नहीं। काम के बोझ का प्रबंधन टी20 कप्तानी छोड़ने के लिए बिलकुल स्वीकार्य कारण है पर अगर 2023 तक भारत के कार्यक्रम को देखा जाए तो विश्व कप के अलावा टीम को लगभग 20 द्विपक्षीय टी20 मुकाबले ही खेलने हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'विराट को पता है कि अगर टीम यूएई में टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो उन्हें सीमित ओवरों की कप्तान से हटाया जा सकता था। जहां तक सीमित ओवरों की कप्तानी का सवाल है तो उसने हटकर अच्छा ही किया है। उन्होंने कहा, 'उसने अपने ऊपर से थोड़ा दबाव कम किया है क्योंकि ऐसा लग रहा है कि वह अपनी शर्तों पर यह काम कर रहा था।

पाकिस्तान दौरा रद्द

सुरक्षा कारणों की वजह से न्यूजीलैंड का पाकिस्तान दौरा रद्द

रावलपिंडी (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड सरकार के सुरक्षा अलर्ट के बाद न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान दौरा रद्द करने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड टीम को आज से पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच खेलना था उसके बाद उन्हें लाहौर में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी थी। न्यूजीलैंड की टीम आखिरी बार पाकिस्तान के दौरे पर साल 2003 में गई थी और अब 18 साल के बाद टीम को पाकिस्तान में खेलना था, लेकिन इस दौरे को रद्द करना पड़ा है।न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा, दोनों पक्षों के खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य होटल से बाहर नहीं आए और उन्हें अपने कमरे में रहने के लिए कहा गया। दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश नहीं करने दिया गया। दौरा रद्द होने में कोई स्पष्टता नहीं होने के चलते यह अफवाह फैल गई कि दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष में कोविड-19 संक्रमण का मामला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, न्यूजीलैंड सरकार की ओर से पाकिस्तान में खतरे को देखते हुए और बोर्ड सुरक्षा सलाहकार की सलाह के बाद यह फैसला लिया गया है कि न्यूजीलैंड की टीम दौरा आगे जारी नहीं रखेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा कि उन्हें जो सलाह मिल रही थी, उसे देखते हुए दौरे को जारी रखना संभव नहीं था। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि यह पीसीबी के लिए एक झटका होगा, जो शानदार मेजबान रहा है, लेकिन खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और हमारा मानना है कि इस समय हमारे लिए यही एकमात्र जिम्मेदारी भरा विकल्प है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी बयान जारी कर कहा, आज कुछ ही समय पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने हमें सूचित किया कि उन्हें कुछ सुरक्षा अलर्ट के लिए सतर्क कर दिया गया था और उन्होंने सीरीज को स्थगित करने का फैसला किया है। सभी आने वाली टीमों के लिए पीसीबी और पाकिस्तान सरकार ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। हमने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड को उसी का आश्वासन दिया है। बयान में कहा, प्रधानमंत्री इमरान खान ने न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डेन से व्यक्तिगत रूप से बात की और उन्हें सूचित किया कि हमारे पास दुनिया की सबसे अच्छी खुफिया प्रणालियों में से एक है और न्यूजीलैंड के लिए यहां कोई सुरक्षा खतरा नहीं है। न्यूजीलैंड टीम के साथ आए सुरक्षा अधिकारी पाकिस्तान सरकार द्वारा यहां उपलब्ध कराई गई सुरक्षा व्यवस्था से संतुष्ट हैं। पीसीबी निर्धारित मैचों को जारी रखने के लिए तैयार है। हालांकि, पाकिस्तान और दुनिया भर में क्रिकेट प्रेमी इस अंतिम समय में इस तरह हटने से निराश होंगे।

महिला क्रिकेट

इंग्लैंड ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को हराया

ब्रिस्टल (एजेंसी) (एजेंसी)।

कप्तान हीदर नाइट (89) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने यहां काउंटी ग्राउंड में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 30 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने नाइट के 107 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 89 रन के दम पर 49.3 ओवर में 241 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की महिला टीम एमी सैथरवेट के 87 गेंदों पर 10 चौकों के सहारे नाबाद 79 रन की पारी के बावजूद 46.3 ओवर में 211 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड की ओर से नताली स्काइवर, केटी क्रॉस और सोफी एक्लेस्टोन ने दो-दो विकेट लिए जबकि कैथरीन ब्रंट, फ्रेया डेविस और चारलोटे डिएन को एक-एक विकेट मिला। न्यूजीलैंड की पारी में सैथरवेट के अलावा कप्तान सोफी डिवाइन ने 59 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 34, लिया ताहुहु ने 25, मैडी ग्रीन ने 19 और लिएघ कासपेरेक ने 15 रन बनाए। इससे पहले, इंग्लैंड की पारी में टैमी ब्यूमोंट ने 44, ब्रंट ने 51 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 43 और विनफिल्ड हिल ने 21 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने तीन विकेट लिए जबकि डिवाइन और ताहुहु को दो-दो मिला और हनाह रोव तथा कासपेरेक ने एक-एक विकेट अपने नाम किए।

विराट, सचिन, सहवाग सहित कई क्रिकेटरों ने पीएम मोदी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार, 17 सितंबर को अपना 71 वां जन्मदिन मना रहे है उनका जन्म 1950 में गुजरात में हुआ था। पीएम मोदी के जन्मदिन पर टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली, पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर समेत कई क्रिकेटरों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। विराट कोहली ने ट्वीट किया, 'हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपको अच्छा स्वास्थ और खुशियां दे।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट कर कहा, 'जन्मदिन मुबारक हो, पीएम नरेंद्र मोदी जी। आपको अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों से भरा साल मुबारक।' युवराज सिंह ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। उनके अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना करता हूं। मेरी शुभकामनाएं।' पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने प्रधानमंत्री की लंबी उम्र की कामना की। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। भगवान को आपको बहुत सारी खुशियां, अच्छी सेहत और और लंबी उम्र दे।' मोदी कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में शामिल हो गए थे। बाद में वह भाजपा से जुड़े। वर्ष 2001 में वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने और उनके नेतृत्व में तीन बार लगातार वहां भाजपा की सरकार बनी। उन्होंने कभी चुनावी हार का सामना नहीं किया। उनके नेतृत्व में भाजपा ने 2014 और 2019 को लोकसभा चुनाव भी जीता। भाजपा उनके जन्मदिन के मौके पर 20 दिवसीय 'सेवा और समर्पण' अभियान शुरू कर रही है। यह अभियान सात अक्टूबर तक चलेगा।

महिला क्रिकेट: दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया, सीरीज में बनाई 4-0 की बढ़त

(एजेंसी):

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया, सीरीज में बनाई 4-0 की बढ़तएंटिगा, 17 सितम्बर (आईएएनएस)। मिग्नॉन डू प्रीज (नाबाद 65) के दमदार पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने यहां सर विवियन रिचर्डर्स स्टेडियम में खेले गए चौथे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 35 रनों से हराकर सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 185 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम 50 ओवर में नौ विकेट पर 150 रन ही बना सकी। डू प्रीज ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से शानदार नाबाद पारी खेलते हुए 91 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 65 रन बनाए जबकि ताजमिन बिट्स ने 30 और कप्तान डेन वैन नीकेर्क ने 20 रनों की पारी खेली। वेस्टइंडीज की कप्तान अनीसा मोहम्मद ने दो विकेट लिए जबकि शकीरा सेलमैन, आलिया एलेने, हेले मैथ्यूज और चेरी एन फ्रेजर ने एक-एक विकेट लिए। रशादा विलियम्स ने 90 गेंदों में चार चौकों की मदद से 42 रन की पारी खेली पर वेस्टइंडीज को हार से नहीं बचा पाई। विलियम्स के अलावा और किसी बल्लेबाज का नहीं चला।दक्षिण अफ्रीका की कप्तान डेन वैन नीकेर्क ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए जबकि मसाबाता क्लास ने दो, शबनीम इस्माइल, नॉनकुलुलेको म्लाबा और नादिन डे क्लर्क ने एक-एक विकेट लिए। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का अंतिम और पांचवा वनडे 19 सितम्बर को खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

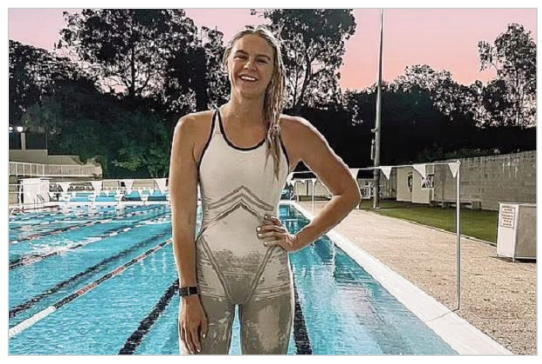

ऑस्ट्रेलियाई तैराक शायना जैक को फिर से प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने की अनुमति मिली, इस कारण लगा था प्रतिबंध

लुसाने : ऑस्ट्रेलियाइ तैराक शायना जैक को अपना प्रतिस्पर्धी करियर फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी गई है। डोपिंग मामले के कारण वह इस साल तोक्यो ओलंपिक में भाग नहीं ले पाई थी। खेल पंचाट ने गुरुवार को कहा कि उसने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) और आस्ट्रेलियाई संस्था का जैक पर दो के बजाय चार साल का प्रतिबंध लगाने की अपील नामंजूर कर दी है। जैक ने दो साल का प्रतिबंध जुलाई में पूरा कर दिया था। पंचाट ने बयान में कहा, 'जांच से पता चला है कि उन्होंने जानबूझकर या लापरवाही में प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन नहीं किया।% जैक को 2019 में विश्व चैंपियनशिप से पहले एनाबोलिक पदार्थ लिगेंड्रोल के सेवन का दोषी पाया गया था। विश्व चैंपियनशिप 2017 में चार पदक जीतने वाली इस 22 वर्षीय तैराक ने डोपिंग से इन्कार किया था और मिलावट वाले पोषक पदार्थ को इसके लिये दोषी ठहराया था। आस्ट्रेलियाई खेल पंचाट और वाडा ने उन पर चार साल का प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी।

राजा के बयान से पाक कप्तान आजम पर भी खतरा मंडराया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम की कप्तानी पर भी खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नये अध्यक्ष रमीज राजा के बयान से तो यही अंदाज होता है। राजा ने पीसीबी की कमान संभालने के बाद अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में ही साफ कर दिया था कि उनकी बाबर से कप्तान के रूप में वही उम्मीदें हैं जो इमरान खान से थी। रमीज ने कहा था कि वह निजी तौर पर बाबर को इतनी अच्छी तरह नहीं जानते, इसलिए सभी प्रारूपों में उनकी कप्तानी को लेकर आंकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। वहीं कप्तानी में बदलाव की अटकलों के बारे में बाबर ने कहा, ''अब तक मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।'' बाबर ने कहा कि कप्तान केन विलियमसन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट, टिम साउथी, काइल जेमिसन और लांकी फर्ग्युसन की गैरमौजूदगी के बावजूद उन्हें सीमित ओवरों की सीरीज में न्यूजीलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। आजम ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम अगर अपने मुख्य खिलाड़ियों के साथ आती तो सीरीज में और भी रोमांच रहता। बाबर ने कहा कि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज काफी अहम होंगी क्योंकि पाकिस्तान और टी20 विश्व कप की मेजबानी करने वाले यूएई के हालात एक से हैं। इसके साथ ही आजम ने टीम में नेतृत्व में बदलाव की बातों को भी खारिज कर दिया। बाबर ने कहा कि उनका ध्यान न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज जीतने पर है। बाबर ने कहा कि उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ चुनी हुई टीम में पूरा विश्वास है। चुनी गई टीम से खुश नहीं होने की खबरों पर बाबर ने कहा कि हर बार की तरह उन्होंने चयन बैठक में सलाह दी थी।

भारत में होने वाले जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप से हटा ऑस्ट्रेलिया

सिडनी (एजेंसी) ।

ऑस्ट्रेलिया ने कोविड-19 से जुड़े सरकारी यात्रा प्रतिबंधों के कारण शुक्रवार को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) के कई टूर्नामेंटों से हटने की घोषणा की जिसमें इस वर्ष के आखिर में भारत में होने वाला जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप भी शामिल है। जूनियर पुरुष विश्व कप इस साल नवंबर-दिसंबर में खेला जाएगा। इसके मैच स्थल की अभी पुष्टि नहीं की गई है। हॉकी ऑस्ट्रेलिया ने इसके साथ घोषणा की कि तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली उनकी टीम और उनका ट्रांस तस्मान प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड अगले महीने से शुरू होने वाले प्रो लीग के तीसरे सत्र में भी भाग नहीं लेंगे। हॉकी आस्ट्रेलिया ने बयान में कहा, 'आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दोनों देशों में कोविड संबंधित सरकारी यात्रा प्रतिबंध और अनिश्चितता को देखते हुए एफआईएच प्रो लीग (अक्टूबर 2021 में शुरू होने वाली) के तीसरे सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में कोविड-19 पृथकवास से जुड़े कड़े नियम हैं जिससे उनके लिये अन्य टीमों की मेजबानी करना बेहद मुश्किल बन गया है। हॉकी ऑस्ट्रेलिया के सीईओ माइकल जॉनस्टन ने कहा, 'जोखिम का आकलन करने और और आस्ट्रेलियाई सरकार की स्वास्थ्य सलाह के आधार पर हॉकी आस्ट्रेलिया इस समय हॉकी से संबंधित विदेशी यात्राओं पर विचार नहीं कर रहा है। भारत में होने वाले टूर्नामेंट और प्रो लीग के अलावा ऑस्ट्रेलिया इस साल के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जूनियर महिला विश्व कप, बेल्जियम में इंडोर विश्व कप और 2022 में अमेरिका में होने वाले मास्टर्स इंडोर विश्व कप में भी भाग नहीं लेगा।

हरमिलन ने 1500 मीटर में 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर जीता खिताब

वारंगल । पंजाब की हरमिलन कौर बैन्स ने 60वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 1500 मीटर दौड़ का खिताब जीता जबकि 100 मीटर में दिल्ली की तरनजीत कौर ने बाजी मारी। इक्कीस साल की हरमिलन ने चार मिनट 5.39 सेकेंड के समय के साथ सुनीता रानी का चार मिनट 6.03 सेकेंड का रिकॉर्ड तोड़ा जो उन्होंने बुसान में 2002 एशियाई खेलों में बनाया था। दिल्ली की केएम चंदा चार मिनट 18.24 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। जनवरी 2020 से राष्ट्रीय स्तर की आठ रेस में शीर्ष पर रही हरमिलन ने शानदार प्रगति की। उन्होंने पिछले साल भुवनेश्वर में खेल इंडिया विश्वविद्यालय खेलों में चार मिनट 14.68 सेकेंड का समय लेने के बाद इस साल 16 मार्च को फेडरेशन कप में चार मिनट 8.70 सेकेंड और फिर 21 जून को इंडियन ग्रां प्री में चार मिनट 08.27 सेकेंड का समय लिया। वह अब राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोडने में सफल रही। तरनजीत ने 11.50 सेकेंड के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 100 मीटर दौड़ का खिताब जीता। नरेश कुमार ने 10.30 सेकेंड के समय के साथ पुरुष 100 मीटर खिताब जीता। यह इस साल 100 मीटर में किसी भारतीय धावक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ समय है। गुरिंदरवीर सिंह ने 26 जून को पटियाला में 10.27 सेकेंड का समय लिया था। गुंटूर के 23 साल के नरेश भारतीय इतिहास के पांच सबसे तेज धावकों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 2001 में अनिल कुमार के 10.37 सेकेंड के मीट रिकॉर्ड को भी तोड़ा। पुरुष 1500 मीटर में उलटफेर देखने को मिला। हरियाणा के परवेज खान ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दो बार के पदक विजेता रेलवे के अजय कुमार सरोज को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। राष्ट्रीय स्तर पर 20 अगस्त 2019 से अजय की यह पहली हार है। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हेप्टाथलीट रेलवे की स्वप्ना बरमन ने महिला ऊंची कूंद का खिताब जीता जबकि हरियाणा के साहिल सिलवाल ने 77.79 मीटर के प्रयास के साथ पुरुष भाला फेंक का खिताब अपने नाम किया।

अगले महीने होने वाले इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे पर संशय

नई दिल्ली। सुरक्षा कारणों की वजह से न्यूजीलैंड का पाकिस्तान दौरा रद्द होने के बाद अगले महीने इंग्लैंड का पाकिस्तान दौरा संशय में पड़ गया है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक कैप्स पहले वनडे के लिए अपने होटल के कमरे से बाहर नहीं निकली थी।इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि वे अगले 48 घंटे में तय करेंगे कि अगले महीने होने वाला दौरा आगे बढ़ेगा या नहीं। एक प्रवक्ता ने कहा, हम सुरक्षा अलर्ट के कारण पाकिस्तान दौरे से हटने के न्यूजीलैंड के फैसले से अवगत हैं। हम स्थिति को पूरी तरह से समझने के लिए अपनी सुरक्षा टीम से संपर्क कर रहे हैं जो पाकिस्तान में मौजूद हैं। इसके बाद ईसीबी बोर्ड अगले 24-48 घंटों में तय करेगा कि हमारा नियोजित दौरा आगे बढ़ना चाहिए या नहीं।

पढ़ाई और खेल दोनों में उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है : यतिराज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता सुहास यतिराज खेल आपको खुद पर जीतने में मदद करता है के सिद्धांत पर जीते हैं और उन्होंने पदक जीतकर अपने शब्दों को सही साबित कर दिया। यतिराज की उपलब्धि ने भारत में एक सामान्य पुरानी सोच कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल में बराबर की उत्कृष्टता हासिल नहीं की जा सकती, को तोड़ने में भी मदद की है।यतिराज भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में एक अधिकारी हैं, जिन्होंने पहले ही प्रयास में देश की सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक में सफलता प्राप्त की। यतिराज ने 2004 में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सुरथकल, कर्नाटक से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। यतिराज ने 2006 में सिविल सेवा परीक्षा पास की और फिर 2007 में एक अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया। 2015-16 में ही वह एक पेशेवर पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए और तब से गौतम बुद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में अपने कर्त्तव्य और एक खिलाड़ी के रूप में अपने प्रशिक्षण को बखूबी अंजाम दिया। यतिराज ने ओलंपिक डॉट कॉम से कहा, मुझे लगता है कि इस (टोक्यो पैरालंपिक) पदक का जश्न पूरे देश ने मनाया। नई दिल्ली हवाई अड्डे पर हमारा जबरदस्त स्वागत हुआ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मिथक टूट गया है कि पढ़ाई और खेल को एक साथ जारी नहीं रखा जा सकता है। कई लोग हैरान हैं कि एक व्यक्ति पढ़ाई और खेल दोनों में अच्छा हो सकता है। यतिराज ने कहा, माता-पिता भी चाहते हैं कि उनके बच्चे पढ़ाई और खेल में अच्छे हों। वे पढ़ाई को अधिक स्थायी विकल्प के रूप में देखते हैं। मुझे लगता है कि बहुत से युवा कम से कम दोनों को जारी रखने के लिए आत्मविश्वास प्राप्त कर सकते हैं।

यतिराज ने कहा, हर कोई जो समर्थन, स्नेह जता रहा है, वह बहुत अच्छा है। एक समय था, जब देश में मशहूर हस्तियां फिल्मी सितारे और क्रिकेटर हुआ करते थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण रहा है, क्योंकि ओलंपियन और पैरालपियनों को, जो प्रशंसा और पहचान मिल रही है, यह निश्चित रूप से दिल को छू लेने वाला है। यतिराज ने कहा, बैडमिंटन मेरे लिए ध्यान है। मैं बेहद व्यवस्थित हूं।

मैं अपने आक्रमण कौशल, रक्षा कौशल, अपनी पहुंच विकसित करता हूं। मैं कमजोर हिस्से पर बारीकी से काम करता हूं और यह भी कि मैं मैच में कैसे सामना करूंगा। मैं अपने दिमाग में मैचों की कल्पना करता हूं। मेरे पास ऐसे तरीके हैं, जो मुझे खेलते समय आराम देते हैं।

लोकेश राहुल को उप-कप्तान बनाकर भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार करें : गावस्कर

नई दिल्ली। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने गुरुवार को कहा कि भारत को लोकेश राहुल को भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार करना चाहिए। गावस्कर चाहते हैं कि बीसीसीआई फिलहाल राहुल को भारत का उपकप्तान बनाएं। विराट कोहली ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अगले महीने शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप की कप्तानी छोड़ देंगे जिसके बाद भारत के उप-कप्तान रोहित शर्मा कप्तान की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। स्पोर्ट्स तक के हवाले से गावस्कर ने कहा, यह अच्छी बात है कि बीसीसीआई आगे देख रहा है। आगे के बारे में सोचना महत्वपूर्ण है। गावस्कर ने कहा, अगर भारत एक नए कप्तान को तैयार करना चाहता है, तो राहुल को देखा जा सकता है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। अब भी इंग्लैंड में उनकी बल्लेबाजी बहुत अच्छी थी। वह आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 ओवरों के क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है। गावस्कर ने कर्नाटक के खिलाड़ी राहुल के आईपीएल की कप्तानी के लिए प्रशंसा की है। राहुल पंजाब किंग्स के कप्तान हैं।

अदरक उत्पादन तकनीक

जलवायु

अदरक गर्म एवं नम जलवायु में अच्छी तरह उगाया जाता है। इसकी खेती समुद्र तट से 1500 मीटर तक की ऊंचाई पर भी की जा सकती है। अदरक की खेती वर्षा आधारित एवं सिंचित अवस्था में की जा सकती है। इसकी खेती के लिए बुवाई के समय मध्यम वर्षा, वृद्धि तक अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। कटाई एवं एक महीना पहले शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है।

भूमि

अदरक विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है। लेकिन इसकी खेती के लिए अच्छे जल निकास वाली जीवांश युक्त दोमट या बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है।

उन्नत किस्में

सुप्रभा, सुरूचि, सुरभि

अन्य किस्मों में वर्दा, हिमगिरी, महिमा, रेजाता आदि है।

भूमि की तैयारी

अदरक की अच्छी खेती के लिए भूमि को गर्मी के शुरू में अच्छी गहरी जुताई करके मिट्टी भुरभुरी बना ली जाती है।

बीज दर

अदरक का बीज प्रकंद होता है। बुवाई के लिए 2.5-5.0 सेमी लम्बे, 20-25 ग्राम वजन के जिनमें कम से कम 2-3 अंकुरित आंखें हो बोने के लिए उपयुक्त होते हैं। एक हैक्टेयर में बुवाई हेतु 15-20 क्विंटल प्रकंदों की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

अदरक के बीज प्रकंद को 30 मिनट तक मेंकोजेब 3 ग्राम/ लीटर पानी के साथ उपचारित करके, 3-4 घंटे छायादार जगह पर सुखाते हैं।

बुवाई की विधि

वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए प्रकंदों की बुवाई के लिए 4 सेमी ऊंची, 1 मीटर चौड़ी तथा आवश्यकतानुसार लम्बी क्यारियों को तैयार कर बुवाई करते हैं। प्रकंदों को 15-20 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी की गहराई पर बो देते हैं। सिंचित क्षेत्रों में क्यारियों बनाकर उनमें 40 सेमी की दूरी पर मेड़ बना ली जाती है तथा 20-25 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी गहराई पर प्रकंदों की बुवाई कर देते हैं।

सिंचाई

बुवाई के समय पर्याप्त नमी रहे। अंकुरण के बाद शीघ्र सिंचाई कर दें। इसके बाद वर्षा होने तक नमी बनाये रखने के लिए 10-10 दिन के अंतर पर सिंचाई करते रहें।

निराई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अदरक की फसल में आवश्यकतानुसार 2-3 बार खरपतवार निकाल दें।

प्रकंदों की खुदाई

हरी अदरक के लिए इसकी खुदाई बुवाई के 180 दिन बाद करें तथा सूखी अदरक के लिए इसकी बुवाई के 240-260 दिन बाद तब पत्तियां पीली पड़ जाये तथा धीरे-धीरे सूखने लगे तब की जाये। खुदाई करते समय ध्यान रखें कि प्रकंद फटने न पाये। पौधों को सावधानी पूर्वक फावड़े या कुदाली की सहायता से उखाड़ कर प्रकंद को जड़ और मिट्टी से अलग कर लेते हैं। खुदाई के बाद प्रकंद को अच्छी तरह पानी से धोकर एक दिन के लिए धूप में सुखा लें।

उपज

ताजा अदरक की उपज लगभग 15-25 टन/ हेक्टेयर प्राप्त होती है, जो सूखाने के बाद 20-25 प्रतिशत तक प्राप्त होती है।

भण्डारण बीज संग्रहण के लिए अदरक को पेड़ के नीचे छाया में गड्ढा खोदकर कंदों को इस प्रकार रखा जाता है कि इसमें हवा के लिए काफी जगह बनी रहे। बीज प्रकंदों को 0.3 प्रतिशत मेंकोजेब या रीडोमिल के घोल में 30 मिनट तक उपचारित करके छायादार जगह पर सुखा लेते हैं। गड्ढों को गोबर से लेप देते हैं। फिर एक परत प्रकंद फिर 2 सेमी रेत/ बुरादा की परत में रखते हैं। इस तरह भरने के बाद ऊपर से गड्ढों को लकड़ी के तखते से ढक देते हैं। इन तख्तों को हवादार बनाने के लिए एक या दो छेद करते हैं।

पलवार

बुवाई के तुरंत बाद घास फूस पत्तों की पलवार बिछाना लाभप्रद रहता है। पलवार से मिट्टी का कटाव कम होता है। तथा भूमि में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है तथा भूमि में नमी भी संरक्षित रहती है। पलवार से खरपतवार भी कम उगते है। पहली पलवार बुवाई के समय तथा दूसरी व तीसरी पलवार 40 एवं 90 दिन बाद बिछायें। प्रथम पलवार के लिए 5-7 टन/ हैक्टेयर हरे पत्तों की आवश्यकता रहती है।

रबी प्याज उत्पादन तकनीक

सामान्यत

रबी मौसम में बुवाई अक्टूबर-नवम्बर माह में तथा रोपाई दिसंबर से जनवरी के पहले सप्ताह तक की जाती है। यह मौसम प्याज की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह प्याज अधिकतर ग्रीष्मकाल में आने के कारण इसे ग्रीष्मकालीन प्याज भी कहते हैं। प्याज के अंतर्गत क्षेत्रफल का 60 प्रतिशत इसी मौसम में लगाया जाता है। महाराष्ट्र के कोकन का तटीय भाग, चंद्रपूर तथा भंडारा के क्षेत्र को छोड़कर संपूर्ण राज्य में रबी मौसम में प्याज की खेती होती है।

उत्तर भारत के सभी राज्यों में इसी मौसम में प्याज की खेती की जाती है। नवम्बर माह के अंत में लगायी फसल मार्च-अप्रैल में निकाली जाती है। इस समय पत्तियाँ अच्छी तरह सूखती है तथा अच्छी तरह सूखा हुआ प्याज अधिक समय भण्डारित होता है। रबी प्याज की रोपाई में जितनी देर होती है, उतनी ही उपज घटती है तथा प्याज का आकार छोटा रह जाता है। रबी प्याज लगाने में अधिक देरी होने से यह जून में तैयार होता है और उस समय वर्षा होने से प्याज को नुकसान होता है तथा यह अच्छी तरह सूख नहीं पाता है।

फलस्वरुप भण्डारण में अधिक सड़ने लगता है। रबी प्याज को अप्रैल से जून तक निकाला जाता है। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते हैं। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते है। इन परिस्थितियों में प्याज का भण्डारण करना लाभदायक रहता है। भण्डारण के लिए नवम्बर माह के अंत से दिसम्बर माह के मध्य तक की गयी रोपाई सर्वोत्तम होती है।

नर्सरी में पौध तैयार करना

रबी प्याज की उन्नत किस्म के बीज को 3 मीटर लम्बी, 1 मीटर चौड़ी व 20-25 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियां बनाकर बोनी करें। 500 मीटर वर्गक्षेत्र में तैयार की गई नर्सरी की पौध एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होती है। प्रत्येक क्यारी में 40 ग्राम डी.ए.पी., 25 ग्राम यूरिया, 30 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 10-15 ग्राम फ्यूराडान डालकर अच्छी तरह मिट्टी में मिला दें। सितम्बर अक्टूबर माह में क्यारीयों को तैयार कर क्लोरोपाईरीफॉस (2 मिली./ लीटर पानी) कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर पानी) को धोलकर क्यारी की मिट्टी को तर कर 250 गेज मोटी सफेद पॉलिथिन बिछाकर 25-30 दिनों तक मिटटी का उपचार कर लें। इस विधि से मिटटी को उपचारित करने को मृर्दा शौर्यीकरण कहतें है। ऐसा करने पर मिटटी का तापमान बढने से भूमि जनित कीटाणु एंव रोगाणु नष्ट हो जाते है। बीजों को क्यारियों में बोने से पूर्व थायरम या कार्बोसिन/बाविस्टीन नामक फफूंदनाशक दवा से 2-3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। उपचारित बीजों को 5-10 सेमी. के अंतर पर बनाई गई कतारों 1 सेमी. की गहराई पर बोएं। अंकुरण के पश्चात पौध को जडग़लन बीमारी से बचाने के लिए 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम बाविस्टीन दवा को 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। बुआई के लगभग 7-8 सप्ताह बाद पौध खेत में रोपण के लिए तैयार हो जाती है।

रोगों से बचाव

रोगों से बचाव के लिए बीज और पौधशाला की मिट्टी को कवक नाशी या थीरम आदि से उपचारित कर लेना चाहिए। बीज और पौधशाला को ट्राइकोडर्मा से भी उपचारित किया जा सकता है। उसके बाद बीज की नर्सरी डालकर पुवाल आदि से ढक देना चाहिए। जमाव के बाद पुवाल हटाकर हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रबी में प्याज की नर्सरी आठ से नौ सप्ताह में रोपाई करने की स्थिति में हो जाती है। रोपाई से पूर्व पौधों की जड़ों को कार्बेंडाजिम, नौ प्रतिशत के घोल में डूबा देना चाहिए। प्याज लगाने से पूर्व मिट्टी की जांच करा लेनी चाहिए। एक हेक्टेयर खेत में 20 से 25 तक गोबर की खाद रोपाई से एक माह पूर्व ही खेत में मिला देना चाहिए। अच्छे उत्पाद के लिए प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 60 किग्रा पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। गंधक और जिंक की कमी होने पर ही उपयोग करें।

भण्डारण

आमतौर पर खरीफ की तुलना में रबी प्याज में भण्डारित करने की आवश्यकता ज्यादा होती क्योंकि यह बाजार में तुरंत कम बिकता है। प्याज को भण्डारित करते समय निम्न सावधानियां रखना चाहिए।

1. भण्डारण से पहले कंदों को अच्छी तरह सुखा लें, अच्छी तरह से पके हुए स्वस्थ (4-6 सेमी आकार) चमकदार व ठोस कंदों का ही भण्डारण करें।
2. भण्डारण नमी रहित हवादार गृहों में करें। भण्डारण में प्याज के परत की मोटाई 15 सेमी. से अधिक न हों।
3. भण्डारण के समय सड़े गले कंद समय-समय पर निकालते रहना चाहिए।

उर्वरकों का खेती में सही उपयोग कब?

खेती में उर्वरकों का सही उपयोग कब - खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ाने में बीज के बाद उर्वरकों का योगदान सबसे अधिक रहा है। परंतु किसान अभी भी उर्वरकों का प्रयोग फसलों की आवश्यकता तथा पोषक तत्वों की उनके खेत में उपलब्धता के आधार पर नहीं कर रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण उनकी भूमि पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करने की जटिलता तथा उसके प्रति किसानों की उदासीनता मुख्य कारण है।

आशा है भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड योजना किसानों की इस उदासीनता को तोडऩे में सक्षम होगी। स्वाइल हेल्थ कार्ड द्वारा किसान को उसकी भूमि की सही स्थिति तथा उसमें उपलब्ध पोषक तत्वों की जानकारी मिलेगी जिसके आधार पर वह अपनी फसलों में संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग कर फसल की लागत को भी कम कर पायेगा परंतु मिट्टी के नमूने से लेकर प्रयोगशाला उसके विश्लेषण में जाने - अनजाने में हुई भूल या लापरवाही इस पूरी योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लगा सकती है जिसके परिणाम सिर्फ और सिर्फ किसान को ही भुगतने होंगे। इसलिए इस योजना की सफलता किसान की जागरूकता पर ही निर्भर करती है।जागरुक किसान नत्रजन व फास्फोरस का महत्व समझने लगे हैं और वह विभिन्न फसलों में इनके सही अनुपात को उपयोग में ला रहे हैं। परंतु अभी बहुत से किसान ऐसे भी है जो फास्फोरस युक्त उर्वरकों को खड़ी फसल में दे रहे हैं। इस ओर भी जागरूकता लाना भी आवश्यक है। उर्वरकों के उपयोग के आरंभ के वर्षों में तीसरे प्रमुख तत्व पोटाश की प्रदेश के अधिकांश जिलों की भूमि में देने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि यह मिट्टी में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध था। अधिक उपज देने वाली जातियां आने के बाद पोटाश की मिट्टी में शनै-शनै- मात्रा कम होती चली गयी और अब उपज के स्तर को बनाये रखने के लिये इसकी भूमि में आपूर्ति आवश्यक हो गयी है। इसकी कमी के लक्षण भी सोयाबीन व अन्य फसलों में दिखने लगे हैं, पत्तियों के बाहरी ओर पीलापन आने से इसकी कमी को पहचाना जा सकता है। गहरी जड़ों वाली फसलों में इसका उपयोग बीज बोने के पूर्व या बीज बोते समय करना चाहिए। खरीफ में प्रदेश में सोयाबीन फसल का रकबा लगभग 55-58 लाख हेक्टर रहता है। तिलहनी फसल होने के कारण इस फसल में अन्य तत्वों के अतिरिक्त गंधक की भी आवश्यकता होती है क्योंकि गंधक में तेल बनाने की प्रक्रिया में एक आवश्यक तत्व है। इसके प्रति सोयाबीन उगाने वाला किसान सोचता भी नहीं। वह अधिकतर फास्फोरस तथा नत्रजन की आपूर्ति डीएपी द्वारा कर लेता है। गंधक की आपूर्ति किसान बिना लागत बढ़ाये कर सकता है इसके लिए उसे डीएपी का मोह छोड़कर फास्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फास्फेट से करनी होगी जिससे फसल को 16 प्रतिशत फास्फोरस के अतिरिक्त 12 प्रतिशत गंधक तथा 21 प्रतिशत कैल्शियम भी मिल जाता है। स्वाइल हेल्थ कार्ड किसानों को एक दिशा-निर्देश त दे सकता है परंतु यह समाधान नहीं। इसके लि किसी निर्धारित क्षेत्र के स्वाइल हेल्थ कार्ड क वैज्ञानिक अध्ययन करना होगा। उसके बाद निकले निष्कर्षों के आधार पर किसान को उचित सलाह देनी होगी तभी इस योजना का लाभ होगा। एक क्षेत्र के मिट्टी के नमूनों को 4-5 विभिन्न प्रयोगशाला में भिजवा कर उनका परीक्षण करना होगा तभी हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच पायेंगे अन्यथा शंका में हम घिरे रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

चीन में टेराकोटा आर्मी का मकबरा फिर से खुला

बीजिंग। चीन के शानक्सी प्रांत में प्रसिद्ध टेराकोटा सेना के लिए जाना जाने वाला किंशीहुआंग का मकबरा कोविड -19 पुनरुत्थान के एक महीने से अधिक समय तक निलंबित रहने के बाद शुक्रवार को फिर से खुल गया है। समाचार एजेंसी ने अधिकारियों के हवाले से कहा कि सम्राट किंशीहुआंग के समाधि स्थल संग्रहालय का दौरा करने के लिए, पर्यटकों को ऑनलाइन आरक्षण करने की आवश्यकता है क्योंकि संग्रहालय इस समय 30 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहा है। संग्रहालय टूर समूहों को स्वीकार नहीं करेगा, और इसमें मध्यम और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के पर्यटकों को भी जाने की अनुमति नहीं है। जुलाई के अंत में चीन के कई प्रांतों में छिटपुट स्थानीय रूप से प्रसारित कोविड -19 मामले सामने आने के बाद संग्रहालय संचालन को निलंबित कर दिया गया था। 1974 में खोजा गया, टेराकोटा सेना का निर्माण किन राजवंश (221 ईसा पूर्व -207 ईसा पूर्व) के सम्राट किंशीहुआंग द्वारा किया गया था, जिन्होंने पहली बार चीन को एकीकृत किया था। 2007 से अनुमान लगाया गया था कि टेराकोटा सेना वाले तीन गड्ढों में 8,000 से अधिक सैनिक, 130 रथों के साथ 520 घोड़े और 150 घुड़सवार घोड़े थे। शानक्सी इतिहास संग्रहालय सहित प्रांत के अन्य संग्रहालयों को भी हाल ही में जनता के लिए फिर से खोल दिया गया है।

लेबनान को ईरानी तेल ले जाने वाले टैंकर ट्रक मिले

बेरूत। संकटग्रस्त देश में ऊर्जा की कमी को कम करने के उद्देश्य से लेबनान को ईरानी तेल से लदे टैंकर ट्रक मिले हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी तेल ले जा रहा एक जहाज रविवार को सीरिया में उतरा और तेल को ट्रकों में उतारा गया। उसे गुरुवार को बेका घाटी में भेजा गया। लेबनान अमेरिकी मुद्रा भंडार की कमी से जूझ रहा है, जो देश को अपनी तेल जरूरतों के आयात से वंचित करता है। हिज्बुल्लाह नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह ने सोमवार को घोषणा की कि ईंधन तेल के साथ एक दूसरा जहाज कुछ दिनों में बनियास के सीरियाई बंदरगाह पर पहुंचेगा और लेबनान को गैसोलीन और ईंधन तेल ले जाने वाले दो और जहाज मिलने की उम्मीद है। लेबनान के कुछ हिज्बुल्लाह विरोधी दलों ने पिछले कुछ दिनों में ईरान से तेल आयात के बाद अमेरिका द्वारा लेबनान पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर अपनी चिंता व्यक्त की।

तालिबान के नियंत्रण के बाद अफगानिस्तान में नयी हकीकत स्थापित: इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि काबुल में सत्ता पर तालिबान के कब्जा करने के बाद एक 'नयी हकीकत' स्थापित हुई है और अब यह सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक हित है कि कोई नया संघर्ष नहीं हो तथा युद्ध प्रभावित देश में सुरक्षा स्थिति स्थिर रहे। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में 20 वीं शंघाई सहयोग संगठन राष्ट्राध्यक्ष परिषद (एससीओ-एसीएचएस) को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि अफगानिस्तान के फिर कभी आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं बनने को सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी अफगानों के अधिकारों के लिए सम्मान सुनिश्चित करना भी जरूरी है। डॉन अखबार ने उनके हवाले से कहा कि एक शांतिपूर्ण एवं स्थिर अफगानिस्तान से पाकिस्तान का हित जुड़ा हुआ है। खान ने कहा कि तालिबान के नियत्रंण करने और विदेशी सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान में एक नयी हकीकत स्थापित हुई है। यह बगैर रक्तपात, गृहयुद्ध और बड़ी संख्या में शरणार्थियों के पलायन किये बगैर हुआ, जो राहत की बात होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अब यह सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक हित है कि कोई नया संघर्ष नहीं हो तथा युद्ध प्रभावित देश में सुरक्षा की स्थिति स्थिर हो।'

पीएम मोदी के जन्मदिन पर श्रीलंका और नेपाल के नेताओं ने किया विश, स्वस्थ रहने की कामना की

कोलंबो/काठमांडू। श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व और नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 71वें जन्मदिन पर बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य तथा देश का नेतृत्व करने में सफलता की शुभकामनाएं दीं। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने ट्वीट किया, 'भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। इस कठिन समय में आप स्वस्थ रहें और मजबूत हों।' श्रीलंकाई राष्ट्रपति के भाई और देश के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भी मोदी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने ट्वीट किया, 'मेरे अच्छे मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन पर ढेर सारी बधाई। मैं इस कठिन समय में भारत का नेतृत्व करने के दौरान आपको शक्ति, सफलता मिलने और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।'' नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा ने भी मोदी को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, 'श्री नरेंद्र मोदी को 71वां जन्मदिन शुभ हो। यह आपके जीवन में अच्छा स्वास्थ्य और अधिक सफलता लाए।

ईरान क्षेत्रीय सहयोग को महत्व देता है: राष्ट्रपति

तेहरान। ईरान की विदेश नीति की सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्रीय देशों, खासकर उसके पड़ोसियों के साथ सहयोग बढ़ाना है। दुशांबे की राजधानी ताजिक में आगामी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के दौरान रायसी ने गुरुवार को अपने प्रस्थान पर संवाददाताओं से कहा, हम क्षेत्रीय सहयोग को बहुत महत्व देते हैं और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) क्षेत्रीय सहयोग के लिए सक्रिय संगठनों में से एक है जहां ईरान के इस्लामी गणराज्य की सक्रिय उपस्थिति होगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में इस्लामी गणराज्य के विचार व्यक्त करेंगे और अपने ताजिक समकक्ष इमोमाली रहमोन सहित भाग लेने वाले देशों के नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। रायसी ने कहा, तजाकिस्तान का दौरा दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंधों में एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा, इस यात्रा के दौरान, तेहरान और दुशांबे के बीच कानून, अर्थशास्त्र और कृषि के क्षेत्र में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जो दोनों देशों के बीच मौजूदा संबंधों को विकसित करने में मदद करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महिला ने आर्थिक सुधार के लिए नए फेमिनिस्ट रोडमैप का अनावरण किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महिला ने कोविड-19 महामारी और पिछले संकटों से सीखते हुए आर्थिक सुधार और परिवर्तन के लिए एक फेमिनिस्ट प्लान का अनावरण किया है।

संयुक्त राष्ट्र महिला की रिपोर्ट बियॉन्ड कोविड -19: ए फेमिनिस्ट प्लान फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड सोशल जस्टिस नामक शीर्षक के हवाले से समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि महामारी ने पहले से मौजूद लैंगिक असमानताओं को बढ़ा दिया है और पहले से ही नाजुक वैश्विक अर्थव्यवस्था में कमजोरियां देखी गई हैं।

वैश्विक स्तर पर, 2019 और 2020 में, महिलाओं ने 54 मिलियन नौकरियों को खो दिया। महामारी से पहले भी, उन्होंने पुरुषों की तुलना में तीन गुना अधिक बिना पैसों के देखभाल कार्य किया। पर्यावरण के लिहाज से महिलाएं असमान रूप से प्रभावित होती हैं, जबकि जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए नीति और वित्तपोषण के निर्णय लेने से भी वंचित रह जाती हैं।

उन्होंने कहा कि 2021 के अंत तक पुरुषों की नौकरियां ठीक हो जाएंगी, लेकिन तब भी लगभग 13 मिलियन महिलाओं के पास रोजगार नहीं होगा। इन अन्तर्विभाजक संकटों को दूर करने के लिए, संयुक्त राष्ट्र महिला बेहतर नीति, कार्रवाई और निवेश का आह्वान कर रही है, जिसमें देखभाल अर्थव्यवस्था और सामाजिक बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है,। जैसे कि नौकरियों के सृजन के लिए गुणवत्ता देखभाल सेवाओं का विस्तार और अवैतनिक देखभाल करने वालों के लिए समर्थन बढ़ाना; पर्यावरणीय स्थिरता के लिए संक्रमण की क्षमता का उपयोग करना, जो 24 मिलियन नए हरित रोजगार पैदा कर सकता है। संस्थागत क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देना और महिला संगठनों के लिए धन में वृद्धि करना है। इन उपायों के वित्तपोषण के लिए, परिवर्तनकारी व्यापक आर्थिक नीतियां हैं। प्रगतिशील और विशेष रूप से कम आय वाले देशों के लिए, वैश्विक सहयोग और ऋण राहत सहित तत्काल आवश्यकताएं हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत समूहों की आवाज को बढ़ाने और प्रभावी लिंग मुख्यधारा सुनिश्चित करने के लिए सत्ता संबंधों में बदलाव हासिल करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। संयुक्त राष्ट्र महिला की कार्यकारी निदेशक प्रमिला

पैटन ने गुरुवार को कहा, एक नए सामाजिक अनुबंध की आवश्यकता जो सभी के लिए स्थिरता और सामाजिक न्याय प्रदान करती है, कभी स्पष्ट नहीं रही। उन्होंने कहा, हमारे पास आर्थिक असुरक्षा, पर्यावरण विनाश और बहिष्करण की राजनीति के दुष्चक्र को तोड़ने और एक बेहतर, अधिक लिंग-समान और टिकाऊ दुनिया को आकार देने का एक पीढ़ीगत अवसर है। उन्होंने कहा, आज की रिपोर्ट लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों पर खोई हुई जमीन को ठीक करने के साथ-साथ यह कैसे करना है, इसके लिए एक रोडमैप प्रदान करती है।

तख्तापलट पर क्षेत्रीय अफ्रीकी गुट ने गिनी सेना पर लगाया प्रतिबंध

अकरा (एजेंसी)।

इकोनॉमिक कम्युनिटी ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स (इकोवास) ने कहा कि उसने गिनी के सैन्य नेताओं और उनके रिश्तेदारों को तख्तापलट की घोषणा करने पर मंजूरी दे दी है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शुक्रवार को बताया कि गिनी और माली में राजनीतिक विकास पर घाना की राजधानी में राष्ट्राध्यक्षों के एक दिवसीय असाधारण शिखर सम्मेलन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, ईकोडब्ल्यूएएस आयोग के अध्यक्ष जीन-क्लाउड कासी ब्रौ ने कहा कि प्रतिबंध सैन्य नेताओं को बिना किसी देरी के अपने देश को संवैधानिक व्यवस्था में लौटने के लिए मजबूर करने के लिए थे।

ब्रौ ने कहा कि ईकोडब्ल्यूएएस ने गिनी के सैन्य

तख्तापलट के नेताओं, इसकी राष्ट्रीय सुलह और विकास समिति के सदस्यों और उनके रिश्तेदारों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया और उनकी वित्तीय संपत्ति को भी फ्रीज कर दिया। ईकोडब्ल्यूएएस सैन्य नेताओं से छह महीने से ज्यादा की एक छोटी संक्रमणकालीन अवधि की भी मांग करता है। ब्रू ने कहा, उन्हें चुनाव कराना चाहिए और देश को संवैधानिक व्यवस्था में लौटा देना चाहिए और अपदस्थ राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को तुरंत रिहा कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईकोडब्ल्यूएएस के अध्यक्ष नाना अड्डो डैनक्का अकुफो-अड्डो ईकोडब्ल्यूएएस की मांगों पर सैन्य नेताओं के साथ चर्चा करने और कोंडे की रिहाई को देखने के लिए जल्द ही गिनी का दौरा करेंगे। गिनी में सैन्य तख्तापलट के लिए 8 सितंबर को अपनी प्रारंभिक प्रतिक्रिया में, उप-क्षेत्रीय निकाय ने देश की सदस्यता के निलंबन की घोषणा की। तख्तापलट के तुरंत बाद, देश की सीमाओं को बंद कर दिया गया और इसके संविधान को अमान्य घोषित कर दिया गया।

इमरान खान ने अपनी नीतियों की आलोचना करने वाले कवि को बीच में ही रोका

नई दिल्ली/दुशान्बे (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए ताजिक की राजधानी दुशांबे में पाकिस्तान-ताजिकिस्तान व्यापार मंच को संबोधित करने के बाद उनकी नीतियों की आलोचना करने वाले एक कवि को बीच में ही रोक दिया।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को एक प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री की आलोचनात्मक कविता सुनाना शुरू कर दिया। दर्शकों के बीच पाकिस्तानी व्यक्ति ने कहा, मेरे पास आपके लिए एक कविता है, (जो इस प्रकार है) इतने जालिम न बनो (इतना अन्यायी मत बनो। इमरान भाई, यह तुम्हारे लिए है।

रिपोर्ट में कहा गया है, अब आप एक कैदी बन गए हैं। जब आप कंटेनर पर (विरोध) करते थे तो आप महान हुआ करते थे। अभी, हमें यकीन नहीं हो रहा है कि आपने खुद को किस चीज में शामिल कर लिया है। पहले तो सरकारी पाकिस्तान टेलीविजन (पीटीवी) ने उनकी कविता काट दी और फिर खान ने उन्हें बीच में ही रोक दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, कृपया व्यापार से जुड़े मामलों के बारे में बात करें। हम कविता के लिए बाद में भी समय निकाल सकते हैं। इमरान खान वर्तमान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद 2021 में भाग लेने के लिए ताजिकिस्तान में हैं और उनके साथ कपड़ा, खनिज, दवा, रसद और अन्य सहित कई क्षेत्रों की 67 कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल है।

वेनेजुएला ने ड्रग विरोधी नीति के खिलाफ अमेरिकी आरोप को किया खारिज

काराकस (एजेंसी)।

वेनेजुएला सरकार ने अमेरिकी सरकार की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वह मादक पदार्थों की तस्करी से लड़ने के लिए पर्याप्त प्रयास करने में विफल रही है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शुक्रवार को बताया कि वेनेजुएला के विदेश मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में, गैरकानूनी और नाजायज के रूप में खुद को संप्रभु और स्वतंत्र राज्यों की एक सुपरनैशनल पुलिस के रूप में स्थापित करने की मांग के अमेरिकी अभ्यास के रूप में वर्णित किया। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा हस्ताक्षरित एक ज्ञापन में वेनेजुएला को पर्याप्त प्रयास करने में असफल रूप से विफल के रूप में नामित किया गया, ताकि अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थों के खिलाफ समझौतों के तहत दायित्वों का पालन किया जा सके। मंत्रालय के अनुसार, वाशिंगटन की कार्रवाइयां सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूलभूत सिद्धांतों का जैसे पारस्परिक संप्रभु सम्मान, राजनीतिक स्वतंत्रता, न्यायिक समानता और आंतरिक मामलों में गैर-हस्तक्षेप उल्लंघन करती हैं। एक बयान में कहा गया है, अमेरिका नशीली दवाओं के खिलाफ वैश्विक स्तर पर खेलने के अपने अनुचित प्रयास पर कायम है। मंत्रालय ने कहा, वेनेजुएला साइकोट्रोपिक पदार्थों और नशीले पदार्थों के नियंत्रण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के प्रावधानों का सख्ती से पालन करता है। एक बयान के अनुसार, दक्षिण अमेरिकी देश संयुक्त राष्ट्र द्वारा अवैध फसलों से मुक्त देश के रूप में मान्यता

प्राप्त है, सुरक्षा बलों के स्थायी कार्य, निवारक नीतियों और समन्वित सहयोग के लिए धन्यवाद। मंत्रालय ने इस मुद्दे के राजनीतिकरण की भी निंदा की, विश्व सरकारों से नैतिक और जिम्मेदारी से इसका इलाज करने का अनुरोध किया।

यूरोपीय आयोग ने स्वास्थ्य आपातकालीन प्रतिक्रिया प्राधिकरण किया लॉन्च

ब्रुसेल्स (एजेंसी)।

स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए एक नया स्वास्थ्य प्राधिकरण शुरू किया गया है।

आयोग ने एक बयान में गुरुवार को कहा, यूरोपीय आयोग ने स्वास्थ्य आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया प्राधिकरण (एचईआरए) को स्वास्थ्य आपात स्थितियों को रोकने, पता लगाने और तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए बनाया है।

यूरोपीय जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष मार्गारिटिस शिनास ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, एचईआरए आपात स्थिति की आशंका और प्रबंधन दोनों के लिए यूरोपीय संघ की प्रतिक्रिया है। आयोग ने एक बयान में समझाया, स्वास्थ्य आपात स्थितियों की तैयारी में खुफिया जानकारी एकत्र करना और मूल्यांकन करना शामिल है, चिकित्सा

प्रतिवाद के लिए उन्नत अनुसंधान और विकास पर काम करना, औद्योगिक क्षमता को बढ़ावा देना, चिकित्सा काउंटरमेशर्स की खरीद और वितरण, भंडारण क्षमता में वृद्धि और ज्ञान और कौशल को मजबूत करना।

एचईआरए ईयू एफएबी को भी एक साथ रखेगी, जो एवर वार्म उत्पादन क्षमताओं का एक नेटवर्क है जिसे किसी भी समय जुटाया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यकता पड़ने पर महाद्वीप तेजी से टीकों, दवाओं और उपकरणों का निर्माण शुरू कर देगा। संकट मोड में, प्राधिकरण संकट के प्रतिवादों की पर्याप्त और समय पर तैनाती और निगरानी सुनिश्चित करेगा, केंद्रीय क्रय निकाय के रूप में कार्य करेगा, और आपातकालीन उपायों और वित्त पोषण, और यूरोपीय संघ एफएबी निर्माण क्षमता को सक्रिय करेगा।

नई स्वास्थ्य इकाई यूरोपीय संघ की अन्य स्वास्थ्य एजेंसियों, जैसे कि यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी (ईएमए) और यूरोपीय रोग निवारण और नियंत्रण केंद्र (ईसीडीसी) के साथ काम करेगी। इसे कई यूरोपीय संघ के कार्यक्रमों से 2022-2027 की वित्तपोषण अवधि में 6 अरब यूरो (7.05 बिलियन डॉलर) प्राप्त होंगे, जबकि निजी फंडिंग और यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों के स्वयं के योगदान से एचईआरए को समर्पित कुल राशि 50 अरब यूरो हो जाएगी। नई इकाई यूरोपीय आयोग की एक आंतरिक सेवा है और 2022 की शुरूआत तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी।

जापान की सत्ताधारी पार्टी के नेतृत्व की दौड़ के लिए प्रचार अभियान शुरू

तो यो(एजेंसी)।

जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा का उत्तराधिकारी चुनने के लिए सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेतृत्व की दौड़ के लिए अभियान को आधिकारिक रूप से शुरू, जिसमें चार दिग्गज सांसद शीर्ष पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एलडीपी चुनाव 29 सितंबर को होने वाला है और पूर्व विदेश मंत्री फुमियो किशिदा, पूर्व संचार मंत्री साने ताकाची, टीकाकरण मंत्री तारो कोनो और एलडीपी के कार्यकारी कार्यवाहक महासचिव सिको नोडा द्वारा चुनाव लड़ा जा रहा है। एलडीपी की दौड़ का विजेता प्रधान मंत्री बन जाएगा क्योंकि पार्टी संसद के शक्तिशाली निचले सदन, प्रतिनिधि सभा को नियंत्रित करती है, क्योंकि सुगा ने इस महीने की शुरूआत में घोषणा की थी कि वह अपने कोविड -19 के साथ जनता के असंतोष के बीच फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगे।

चार उम्मीदवारों में, 58 वर्षीय कोनो, अपनी सुधार-दिमाग वाली नीतियों के साथ, शुरूआती मोर्चे के रूप में देखा गया है। कोनो ने पूर्व रक्षा मंत्री शिगेरू इशिबा का समर्थन भी जीता, जिन्होंने दौड़ से बाहर बैठने का फैसला किया।

64 वर्षीय किशिदा को अनुभवी सांसदों से समर्थन मिलने की उम्मीद है, जो कोनो के सुधारवादी विचारों से असहज हैं, साथ ही साथ उनके अपने 47 सदस्यीय गुट द्वारा समर्थित हैं।

ताकाईची और नोदा दोनों ही जापान की पहली महिला प्रधान मंत्री बनने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

61 वर्षीय नोडा ने गुरुवार को घोषणा की। उसके देर से आने से यह अनुमान लगाना कठिन हो गया कि अंतिम विजेता कौन होगा।

60 वर्षीय ताकाइची एलडीपी के दक्षिणपंथी दल से ताल्लुक रखते हैं और पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं।

चुनाव प्रचार के बाद, एलडीपी डाइट के सदस्य और रैंक-एंड-फाइल सदस्य चुनाव में अपने मतपत्र डालेंगे, और जो भी बहुमत हासिल करेगा उसे विजेता घोषित किया जाएगा। यदि पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है, तो शीर्ष दो दावेदारों के बीच एक रनऑफ आयोजित किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस की पीठ पर घोंपा छुरा ? क्या है इसके पीछे का असल गणित

श्रीनगर (एजेंसी)।

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका के साथ परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बियों में निवेश करने का फैसला किया है। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस के साथ अपने करार को रद्द कर दिया। जिसके बाद फ्रांस ने गहरी नाराजगी जताई है। फ्रांस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने उनकी पीठ में छुरा घोंपने जैसा काम किया है।

अब अमेरिका बनाएगा पनडुब्बी

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ पनडुब्बी करार किया है। बाइडेन ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ एक नए अमेरिकी सुरक्षा गठबंधन का ऐलान किया था। जिसके तहत ऑस्ट्रेलिया के लिए परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी बेड़े का निर्माण किया जाना है।

अमेरिका के साथ करार होने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस के साथ करार को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि वह फ्रांस की कंपनी डीसीएनएस के साथ दुनिया की सबसे बड़ी पारंपरिक पनडुब्बियों में से 12 का निर्माण करने के लिए अपने करार को समाप्त करती है। साल 2016 में फ्रांस के साथ करार होने के बाद से ऑस्ट्रेलिया ने परियोजना पर 2.4 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर खर्च कर चुका है।

ऑस्ट्रेलिया ने विश्वासघात किया

फ्रांस ने गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने उनकी पीठ में छुरा घोंपने जैसा काम किया है। उन पर हमने विश्वास किया था लेकिन उन्होंने हमारे साथ विश्वासघात किया। इसी के साथ ही फ्रांस ने अमेरिका पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो बाइडेन पूर्ववर्ती ट्रंप सरकार की तरह ही हमारे रक्षा सौदों को खराब करने का काम कर रहे हैं।

इसी बीच चीन की दादागिरी को रोकने के लिए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके के बीच में त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी का ऐलान हुआ है। जिसे ऑकस के नाम से जाना जाएगा। इस गठबंधन के बाद ही ऑस्ट्रेलिया ने करार तोड़ा है। वहीं, चीन धरती के साथ-साथ समुद्र में भी अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशें कर रहा है। ऐसे में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके के बीच हुआ गठबंधन चीन पर अंकुश लगाने का काम करेगा। पहले ही क्वाड देश चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने की कोशिशों में जुटे हुए हैं और ऐसे में एक और नए गठबंधन से क्वाड

देशों की हिम्मत भी बढ़ेगी।

आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के पास परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी होने से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन हो पाएगा। माना जा रहा है कि क्वाड और ऑकस समानांतर ट्रैक पर आगे बढ़ेंगे। जिससे भविष्य में इनके एक होने की संभावना है।

सार समाचार

थरूर ने गधा वाली टिप्पणी पर तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख की माफी स्वीकार की

नई दिल्ली। तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख और सांसद रेवंत रेड्डी ने गधे की टिप्पणी पर नाराजगी के बाद शशि थरूर से माफी मांगी है। थरूर ने गुरुवार शाम को माफी स्वीकार कर ली और रेड्डी का फोन आने के बाद ट्वीट किया, मुझे रेवंत रेड्डीकी ओर से जो कहा गया था, उसके लिए माफी मांगने के लिए एक दयालु कॉल आया। मैं उनके खेद की अभिव्यक्ति को स्वीकार करता हूं और इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को हमारे पीछे छोड़ने को लेकर खुश हूं। हमें तेलंगाना और देश भर में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। रेड्डी ने अपनी माफी भी ट्वीट की, मैंने शशि थरूर जी से यह बताने के लिए बात की कि मैं इस टिप्पणी को वापस लेता हूं और दोहराता हूं कि मैं अपने वरिष्ठ सहयोगी को सर्वोच्च सम्मान देता हूं। मुझे अपने शब्दों से उन्हें हुई किसी भी चोट के लिए खेद है। हम कांग्रेस पार्टी के मूल्यों और नीतियों में अपना विश्वास साझा करते हैं। हालांकि, कांग्रेस नेताओं मनीष तिवारी और विवेक तन्खा द्वारा इस मुद्दे को उठाने और पार्टी में मामला बढ़ने के बाद मामला इतनी आसानी से नहीं सुलझ पाया। रेड्डी ने बाद में तेलंगाना प्रभारी मनिकम टैगोर के हस्तक्षेप के बाद टिप्पणी वापस ले ली। राज्य चुनावों में हार के कारण उत्तम रेड्डी के पद छोड़ने के बाद रेड्डी को हाल ही में राज्य अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के खिलाफ पुराने मामले में स्त्रङ्कक्रहुई दर्ज, कांग्रेस ने कसा तंज

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। जीतू पटवारी पर पुलिस ने शासकीय कार्य मे बाधा उतपन्न करने की धारा 353, 294 के तहत केस दर्ज किया है। दरअसल जीतू पटवारी पर नगर निगम के स्वास्थ प्रभारी उत्तम यादव की शिकायत पर अपराध दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि मामला 2 दिन पुराना है। ऐसा आरोप लगाया गया है कि दुर्गा नगर में दवा छिड़काव के वक़्त विधायक जीतू पटवारी ने उत्तम यादव से अभद्रता की थी। आपको बता दें कि जीतू पटवारी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने से कांग्रेस ने आक्रोश जताया है। कांग्रेस ने दो टूक लहजे में अधिकारियों को चेतावनी दे दी है कि कल भी आएगा। दरअसल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केके मिश्रा ने ट्वीट कर कहा कि राजनैतिक और प्रशासनिक दबाव के बाद साधारण मामले में जीतू पटवारी के खिलाफ 3 दिन बाद एफआईआर दर्ज करना सरकारी चरित्र के संदिग्ध होने का स्पष्ट प्रमाण है।

सुभाष चंद्र बोस पर लगा 'अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी' का आरोप हटाया जाए: नेताजी की प्रपौत्री

मथुरा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रपौत्री एवं अखिल भारत हिन्दू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री चौधरी ने यहां कहा कि यह बेहद दुखद है कि भारत सरकार नेताजी पर लगा अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी होने का आरोप सात दशक बीत जाने के बाद भी नहीं हटवा पाई है। उन्होंनेकहा कि यदि सरकार ने इस मामले में ठोस पहल न की तो महासभा खुद संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का दरवाजा खटखटाएगी। महासभा की अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को वृन्दावन के रामकृष्ण मिशन परिसर स्थित स्वामी विवेकानन्द ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर यह बातें कहीं। राजश्री ने कहा, हम आजादी की 75वीं सालगिरह मनाने जा रहे हैं लेकिन आज भी आजादी की लड़ाई के प्रमुख क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस पर 'अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी' होने का आरोप नहीं हटवा पाए हैं। दुनिया के कई अंतरराष्ट्रीय संगठन उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से युद्ध अपराधी दर्शाते हैं। जो हम सभी के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा ने कभी सोनू सूद की प्रशंसा की थी, अब उन्हें 'कर चोर' मानती है: शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने अभिनेता सोनू सूद के खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई को लेकर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निंदा की और कहा कि लॉकडाउन के दौरान उसने (भाजपा ने) उनके काम की प्रशंसा की थी लेकिन उनके सामाजिक कार्यों में दिल्ली और पंजाब सरकार के हाथ मिलाने के बाद अब पार्टी उन्हें ''कर चोर'' मानती है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा कि सूद के खिलाफ कार्रवाई बदले की भावना से की गई है जो भाजपा को महंगी पड़ेगी। पार्टी ने कहा कि दुनिया में सबसे ज्यादा सदस्य होने का दावा करने वाली पार्टी को दिल भी बड़ा रखना चाहिए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आयकर अधिकारी कथित कर चोरी की जांच के सिलसिले में बुधवार को मुंबई में सूद से संबद्ध परिसरों और कुछ अन्य जगहों पर पहुंचे थे। शिवसेना ने कहा, ''महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के मंत्रियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करना, राज्य विधान परिषद में नामांकन के लिए राज्य के राज्यपाल पर 12 सदस्यों को रोकने का दबाव डालना और सोनू सूद जैसे अभिनेता के खिलाफ छापेमारी एक छोटी और संकीर्ण मानसिकता के संकेत हैं। यह बदले की भावना की कार्रवाई है और एक दिन इसका खामियाजा मिलना तय है। संपादकीय में कहा गया है, ''कोविड-19 महामारी की पहली लहर के दौरान सूद तब सुर्खियों में आए जब वह गरीब प्रवासी मजदूरों के मसीहा के रूप में उभरे, जिन्होंने प्रवासियों को देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान अपने गृह राज्यों में लौटने और उन्हें आश्रय और भोजन प्रदान करने में मदद की।'' पार्टी ने आरोप लगाया, ''भाजपा ने तब उनकी प्रशंसा की थी और पूछा था कि आखिर जो काम एमवीए के नेतृत्व वाली सरकार नहीं कर पाई, उसे सूद ने अपने दम पर कैसे कर दिखाया। लेकिन जब सूद अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के शिक्षण कार्यक्रम के ब्रांड एंबेसडर बने तो उनके खिलाफ आयकर विभाग के छापे पड़े।''

तीन माह में 75 हजार शिल्पियों को बनाएंगे स्वावलंबी: मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले तीन माह में प्रदेश के 75 हजार कारीगरों और शिल्पियों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य तय किया है। इन तीन माह में 75 हजार शिल्पियों को प्रशिक्षित कर इन्हें विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से जोड़ते हुए स्वावलम्बन से जोड़ा जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव पर शिल्पियों और करीगरों के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा होगा।

मुख्यमंत्री ने यह बातें विश्वकर्मा दिवस के मौके पर शुक्रवार को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 21,000 लाभार्थियों को टूलकिट और 11 हजार लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजनांतर्गत ऋण वितरण करते हुए कहीं। लोकभवन में आयोजित मुख्य समारोह के साथ-साथ जिला मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 26 दिसम्बर 2018 में हमने प्रदेश में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का शुभारंभ किया, तब से परंपरागत हस्तशिल्पियों, कारीगरों को सम्मान देने, उनको स्वावलंबी बनाने और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का यह सिलसिला चलता आ रहा है। हस्तशिल्पियों ने योजनाओं का लाभ लेकर एक जनपद एक उत्पाद और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ने रोजगार उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। अगले तीन माह में 75 हजार करीगरों और हस्तशिल्पियों को टूल किट और ऋण उपलब्ध कराने की कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने विभाग के मंत्रियों से कहा कि वो गांव-गांव में करीगरों, हस्तशिल्पियों के यहां पहुंचकर उनको प्रोत्साहित करने का भी काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में हर व्यक्ति चिंता में था कि यूपी का क्या होगा। लेकिन हमारे पारंपरिक करीगरों, हस्तशिल्पियों ने मिलकर ऐसा तंत्र विकसित किया जिससे हर प्रवासी को शासन की योजनाओं से जुड़ने और प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने का काम किया। आज बेरोजगारी की दर चार पांच फीसदी है। यह प्रसन्नता प्रदान करने वाला है। हमने दिसम्बर 2018 से 68412 से अधिक शिल्पियों को 100 करोड़ के उन्नत टूल किट वितरित किये हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमें अपने परंपरागत उद्यम और कारीगरी को एक मंच देना ही होगा। उनका प्रशिक्षित कराएं। आज प्रदेश के 21,000 से अधिक कारीगरों व हस्तशिल्पियों को टूलकिट वितरित किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार अपने परंपरागत कारीगरों व उद्यमियों को स्वावलंबी बना रही है, जिससे वह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान दे सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव के मोची, नाई, बढ़ई को मंच मिलना चाहिए। उन्हें सबल बनाना है। उन्हें उच्च प्रशिक्षण देकर तकनीकी से जोड़ना है और सर्टिफिकेट देकर साथ ही ट्रेनिंग के दौरान 250 रुपये प्रतिदिन प्रशिक्षण भत्ता देते हुए मजबूत बनाना है। उन्होंने बताया कि आज तक 1 लाख हस्तशिल्पियों को इस योजना से जोड़ा गया है, प्रशिक्षित करके टूलकिट उपलब्ध करवाए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्होंने कहा कि हमें कारीगरों को सम्मान देना होगा वो ही हमारी धरोहर हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि आज दो महत्वपूर्ण दिन है एक तो विश्वकर्मा जी की जयंती और दूसरा दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन। प्रधानमंत्री जी के इस वर्ष 6 अक्टूबर को सेवा के 20 वर्ष के रूप में पूरे हो रहे हैं। मैं प्रदेश की जनता की तरफ से देश में जो उनकी ओर से की गई सेवाएं हैं उनके लिए हृदय से अभिनन्दन करता हूं। मोदी जी के प्रयास से जो खुशहाली आपके जीवन में प्रारंभ हुई है, देश-समाज को नई दिशा मिली है। उसको विकास के उत्सव में रूप में प्रदेश में 7 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। हुनरमंदों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों को सम्मान देने वाले कार्यक्रम से इसकी शुरूआत की जा रही है।

जांच आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, जयललिता की मौत पर रिपोर्ट 1 महीने में आएगी

नई दिल्ली। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की मौत की जांच कर रहे जांच आयोग ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि उसने अब तक 154 गवाहों से पूछताछ की है और केवल चार गवाह बाकी रह गए हैं। रिपोर्ट एक माह के भीतर सौंपी जाएगी। शीर्ष अदालत ने 26 अप्रैल, 2019 को अपोलो अस्पताल द्वारा जांच के दायरे पर सवाल उठाने वाली याचिका पर आयोग की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। सितंबर 2017 में, तमिलनाडु सरकार ने न्यायमूर्ति ए. अरुमुघस्वामी (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया था।

न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ तमिलनाडु सरकार द्वारा आयोग की कार्यवाही पर से रोक हटाने के आवेदन पर विचार कर रही है। पीठ मामले की सुनवाई अगले गुरुवार को करने के लिए सहमत हुई। आयोग की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्होंने 154 से अधिक गवाहों से पूछताछ की है और केवल चार गवाह बचे हैं, और यह एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट देने की स्थिति में होगा। 154 गवाहों में अपोलो अस्पताल से जुड़े 56 डॉक्टर, एम्स के पांच डॉक्टर, तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित पांच डॉक्टरों के मेडिकल बोर्ड सहित 12 सरकारी डॉक्टर, 22 पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य गवाह शामिल थे।

प्रियंका अमेठी-रायबरेली कि किसी विधानसभा सीट से लड़ सकती हैं चुनाव

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपना सब कुछ झोंक देना चाहती है ताकि किसी भी तरह से गांधी परिवार और प्रियंका वाड्रा की सियासत पर लगा ग्रहण हट सके। इसीलिए कांग्रेस महासचिव और यूपी की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा नेहरू गांधी परिवार की परंपरागत लोकसभा सीटों रायबरेली या अमेठी की किसी एक विधानसभा सीट से मैदान में उतर सकती हैं। हालांकि विधानसभा चुनाव धारणा गांधी परिवार को कभी रास नहीं आया है। बल्कि यह भी क्या सकता है गांधी परिवार केंद्र की सियासत में राज्यों की सियासत से ज्यादा विश्वास रखता है।गांधी परिवार राज्यों में बस चुनाव प्रचार तक ही अपने आप को सीमित करें रहता है। इस समय जो स्थिति है उसके अनुसार गांधी परिवार मरणासन्न कांग्रेसमें नया जीवन भरने के लिए कुछ भी करने से संकोच नहीं करेगी, भले ही इससे उसका कद कुछ छोटा ही दिखाई पड़े। प्रियंका वाड्रा यदि विधानसभा चुनाव लड़ती हैं तो वह गांधी परिवार की पहली सदस्य होंगी जो विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। अभी तक गांधी परिवार सिर्फ लोकसभा चुनाव लड़ा है।

सत्ता के गलियारों में चर्चा है कि प्रियंका की पहली पसंद अमेठी लोकसभा क्षेत्र के अंदर आने वाली विधानसभा सीट है, क्योंकि वहां प्रियंका को अपनी जीत के साथ-साथ 2019 में राहुल गांधी की हार का बदला लेने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी की जमीन तैयार करेंगी, जिससे स्मृति ईरानी को 2024 के लोकसभा चुनावों में चुनौती दी जा सके।विधानसभा चुनाव लड़ने की राय प्रियंका वाड्रा को प्रशांत किशोर की तरफ से दी गई है।बीते दिनों लखनऊ में एडवायजरी कमेटी ने भी प्रियंका से कहा था कि उनके 2822 के विधानसभा चुनाव मैदान में आने से कांग्रेस को उत्तर.प्रदेश में नई ताकत मिलेगी। कांग्रेस के नए-नए चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर अबकी बार पर्दे के पीछे से यूपी चुनाव की बागडोर संभाले हुए हैं।

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्र बताते हैं इसी क्रम में 12 सितंबर को रायबरेली में प्रियंका गांधी ने जनता से मुलाकात की थी। हालांकि अभी तक प्रियंका गांधी ने चुनाव लड़ने या ना लड़ने को लेकर खुद कोई संकेत नहीं दिए हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी के ऑफिस की तरफ से चुनावी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए रायबरेली और अमेठी के डेटा जुटाए जा रहे हैं।राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी के चुनाव हार जाने के बाद वहां गांधी परिवार का दबदबा कम हुआ है। वहीं, कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष और रायबरेली की सांसद सोनिया गांधी की सेहत ठीक नहीं होने के चलते रायबरेली में भी गांधी परिवार का जनता से संपर्क कम हुआ है।ऐसे में प्रियंका के चुनाव लड़ने से अमेठी और रायबरेली क्षेत्र की जनता के साथ कांग्रेस के संबंधों को मजबूती मिल सकती है। रायबरेली और अमेठी बरसों से गांधी परिवार का गढ़ रहा है और प्रियंका इस रिश्ते को कमजोर नहीं होने देना चाहती हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद तो औपचारिक रूप से कह चुके हैं की उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रियंका कांग्रेस का मुख्यमंत्री का चेहरा होंगी। बात अमेठी और रायबरेली में कांग्रेह और गांधी परिवार की मजबूत स्थिति की कि जाए तो रायबरेली में 1952 से लेकर 2019 तक लोकसभा चुनाव में सिर्फ तीन बार कांग्रेस हारी है। 1977, 1988 और 1996 में इस सीट पर कांग्रेस को हार मिली थी। इस सीट से फिरोज गांधी, इंदिरा गांधी, शीला कौल, अरुण नेहरू और सतीश शर्मा चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे।

अमेठी में 18 चुनाव में 16 बार कांग्रेस की जीत: अमेठी में 17 लोकसभा और 2 उप-चुनाव में कांग्रेस ने 16 बार जीत हासिल की है। सिर्फ तीन बार 1977, 1998 और 2019 में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। 1977 में इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव में पहली बार कांग्रेस हारी थी। इसके बाद 1980 में संजय गांधी यहां से सांसद बने। संजय की मौत के बाद राजीव गांधी ने अमेठी की बागडोर संभाली। फिर 1999 में सोनिया गांधी ने चुनाव जीता। इसके बाद 2004, 2009 और 2014 में राहुल गांधी यहां से जीते , लेकिन 2019 में स्मृति ईरानी ने राहुल को हरा दिया था। इस समय राहुल गांधी केरल के व्हायनॉड संसदीय क्षेत्र से सांसद हैं और उत्तर प्रदेश में उनकी गतिविधियां सीमित हो गई पूरी जिम्मेदारी प्रियंका वाड्रा के श्री कंधों पर है।

जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को समझने वाले पहले मुख्यमंत्री थे नरेंद्र मोदी: अमित शाह

मुंबई। (एजेंसी)।

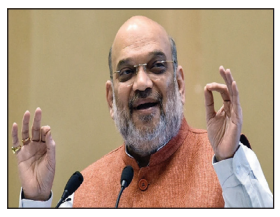

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी देश में ऐसे पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को समझा और इसके प्रबंधन को संस्थागत रूप दिया। शाह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के मुदखेड़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रशिक्षण मैदान में पौधारोपण करने के बाद संबोधन में यह कहा। शाह द्वारा पौधारोपण करने के साथ ही इस सुरक्षा एजेंसी ने देश में एक करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। गृह मंत्री ने कहा, ''जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने सबसे पहले जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को समझा और इसका संस्थागत प्रबंधन सुनिश्चित किया।

कई मुख्यमंत्री सड़कों के निर्माण, शिक्षा सुविधाओं और पेयजल योजनाओं को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। लेकिन मोदी ने जलवायु परिवर्तन और पौधे लगाने पर भी काम किया।'' वैश्विक तापमान में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन को शत्रु बताते हुए शाह ने कहा, ''हमें पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करनी है।'' शाह ने कहा कि सीआरपीएफ ने मोदी के जन्मदिवस, जो कि मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस भी है, पर एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य हासिल किया है। उन्होंने इस अवसर पर देश के पहले गृह मंत्री सरदार पटेल और मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम अभियान के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गृह मंत्री ने बल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि 3.25 लाख कर्मियों का यह बल सभी उम्मीदों पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा, ''सीआरपीएफ के बिना, देश की आंतरिक सुरक्षा असंभव है।'' शाह ने बताया कि सीआरपीएफ ने देश के 170 जिलों में एक करोड़ पौधे रोपे हैं। उन्होंने कहा, ''सरकार पौधे रोप सकती है लेकिन इनकी रक्षा सीआरपीएफ को करनी है। मैं सीआरपीएफ के हर जवान से अनुरोध करता हूं कि वे एक पौधे से अपना जुड़ाव रखें।

धर्म को राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए: स्वामी प्रसाद मौर्य

बलिया (उप्र)। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि धर्म आस्था का विषय है और इसे राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। मौर्य ने बृहस्पतिवार शाम जिले के गुलाब नगरी के नाम से मशहूर सिकन्दरपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा को अब्बा जान , चाचा जान व भाई जान जैसी बातों से कोई मतलब नहीं है वह आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता के पास जन कल्याण के लिए किए गए कार्यों व विकास योजनाओं के आधार पर जा रही है।

उन्होंने कहा,'' किसी भी भगवान को राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, भगवान आस्था का विषय हैं और हर व्यक्ति को उसकी आस्था के अनुसार उन्हें मानने की छूट है। आस्था के विषय को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिये।'' मौर्य ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर उनके ''भगवान राम व श्री कृष्ण प्रेम'' पर भी तंज किया। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को चचा जान कहे जाने सम्बन्धी हालिया बयान पर उन्होंने कहा कि,'' भाजपा जन कल्याणकारी कार्यों व विकास योजनाओं को लेकर जनता के पास जा रही है। जिनके पास कुछ नहीं है वे चचा जान व अब्बा जान का सहारा ले रहे हैं।

भाजपा को अब्बा जान , चाचा जान व भाई जान जैसी बातों से कोई मतलब नहीं है।'' उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दल उत्तर प्रदेश में नाकाम हो गया है और विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। देश व प्रदेश की जनता ने कांग्रेस,सपा व बसपा को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,उनके विकास व कल्याणकारी योजनाओं की ही चर्चा है।

आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख से संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की

मुंबई। (एजेंसी)।

आयकर विभाग ने शुक्रवार को कर चोरी की जांच के सिलसिले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े कई परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह छापेमारी मुंबई और नागपुर (महाराष्ट्र) के साथ ही राजस्थान के जयपुर में भी की जा रही है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कथित धनशोधन और महाराष्ट्र के पुलिस महकमे में कथित रिश्वत भुगतान के सिलसिले में 71 वर्षीय पूर्व मंत्री की जांच कर रहे हैं।

देशमुख और अन्य के खिलाफ ईडी का मामला सीबीआई द्वारा मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए कम से कम 100 करोड़ रुपये के रिश्वत के आरोपों से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए जाने के बाद आया है। देशमुख पूर्व में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार में गृह मंत्री थे। देशमुख ने कहा था कि मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से हटाए जाने के बाद सिंह ने उनके खिलाफ यह आरोप लगाए थे।

उन्होंने मामले में पूछताछ के लिये ईडी द्वारा भेजे गए कम से कम पांच समन का पालन करने से इनकार कर दिया था और 'खुद को कानून का पालन करने वाला नागरिक' बताते हुए एजेंसी को इसके बजाए उनसे ऑनलाइन लिंक पर बातचीत करने का सुझाव दिया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के घर के पास एक गाड़ी से विस्फोटक बरामद होने के बाद ये आरोप सामने आए थे, जिसके बाद अप्रैल में देशमुख ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। गाड़ी से विस्फोटक मिलने के मामले में महाराष्ट्र के निलंबित पुलिसकर्मी सचिन वाजे को गिरफ्तार किया गया था।

मराठवाड़ा वासियों ने कभी निजाम का सामना किया, अब महामारी से बखूबी निपट रहे हैं : उद्धव ठाकरे

औरंगाबाद। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि मराठवाड़ा क्षेत्र के निवासियों ने पूर्व में निजाम शासन के ''अन्याय'' के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और अब वे कोरोना वायरस संक्रमण से बखूबी निपट रहे हैं। 'मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिन' के अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र का वास्तविक विकास अब शुरू हुआ है और उन्होंने परभनी जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज और हिंगोली जिले में हल्दी प्रसंस्करण इकाई की घोषणा की। ठाकरे ने यहां सिद्धार्थ गार्डन में मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम स्मारक का दौरा किया और मुक्ति आंदोलन के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

मध्य महाराष्ट्र में मराठवाड़ा क्षेत्र का बड़ा हिस्सा 1948 से पहले निजाम शासन के अधीन था। ठाकरे ने कहा, ''मराठवाड़ा के निवासियों ने निजाम के अन्याय का सामना किया,उन्होंने निजाम के खिलाफ लड़ना जारी रखा। यहां के लोगों ने निजाम राज्य का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया और भारत को अपना देश स्वीकार करते हुए इसमें शामिल हो गए।'' उन्होंने कहा, ''पिछले साल मैं महामारी के कारण यहां नहीं आ सका। यहां के निवासियों ने पहले निजाम शासन के साथ लड़ाई लड़ी है, वैसे ही वे अब महामारी से अच्छी तरह लड़ रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के लिए विभिन्न परियोजनाओं की घोषणा की।

उन्होंने कहा, ''मराठवाड़ा संतों की भूमि है और इसलिए हम एक संत पीठ शुरू करने जा रहे हैं, एक ऐसा संस्थान जो यहां डॉ बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय में संतों के उपदेशों को पढ़ाएगा। भविष्य में यह एक अलग विश्वविद्यालय बन जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''निजाम काल की संरचनाएं गौरवान्वित नहीं करती हैं। हम क्षेत्र में निजाम युग के 150 स्कूलों के भवनों के पुनर्विकास की योजना बना रहे हैं। सरकार ने परभनी में एक मेडिकल कॉलेज की भी योजना बनाई है। इसके अलावा औरंगाबाद शहर में सड़कों और एक भूमिगत जल निकासी लाइन की योजना और परभनी में जलापूर्ति योजना के लिए धन आवंटित किया जाएगा। जालना-नांदेड़ एक्सप्रेस-वे मराठवाड़ा के विकास में और योगदान देगा।'' उन्होंने कहा कि सरकार औरंगाबाद को अन्य स्थानों से जोड़ने पर काम करेगी।

सुबह शहर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) कार्यकर्ताओं के विरोध का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा, ''कुछ लोग मेरे स्वागत के लिए अपने हाथों में बोर्ड लेकर खड़े थे। लेकिन अब तक जो विकास हुआ है, वह वास्तविक विकास नहीं है...आप अभी से वास्तविक विकास देखेंगे।'' प्रदर्शनकारी एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र को प्रभावित करने वाले मुद्दों का ''समाधान'' करने के लिए मुख्यमंत्री को व्यंग्यात्मक रूप से धन्यवाद दिया था। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ भागवत कराड, महाराष्ट्र के मंत्री बालासाहेब थोराट, सुभाष देसाई, संदीपन भुमरे, अब्दुल सत्तार, उदय सामंत, सांसद इम्तियाज जलील और अनिल देसाई मौजूद थे।

प्रस्तावित औरंगाबाद-अहमदनगर रेलवे लाइन का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कराड से इस मुद्दे को देखने और रेल राज्य मंत्री

रावसाहेब दानवे के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए औरंगाबाद को शिरडी से जोड़ने पर भी विचार कर रही है। औरंगाबाद शहर को खिलाड़ियों के लिए सिंथेटिक ट्रैक भी मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी का जन्मदिन, भाजपा 20 दिनों तक चलाएगी टीकाकरण अभियान

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर शुक्रवार से सात अक्टूबर तक जनता के बीच जाकर 20 दिनों का ''सेवा और समर्पण%% अभियान चलाएगी। साथ ही पार्टी इस दौरान प्रधानमंत्री के सार्वजनिक कार्यालय में दो दशक पूरा करने का भी जश्न मनाएगी। मोदी 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और पिछले सात साल से प्रधानमंत्री हैं। इसके मद्देनजर भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान में सहयोग करने का दिशानिर्देश जारी किया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने भी शुक्रवार को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर टीकाकरण अभियान में और मजबूती लाने का अनुरोध किया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''सबको टीका, मुफ्त टीका की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सौगात दी है! कल हम सबके प्रिय प्रधानमंत्री का जन्मदिन है, चलो 'वैक्सीन सेवा' कर जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली है, ऐसे अपनों को, परिजनों को और समाज के सभी तबकों को टीका लगवाकर, उनको जन्मदिन का उपहार देते हैं।'' भाजपा प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाती रही है और इसके तहत देश भर में सेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

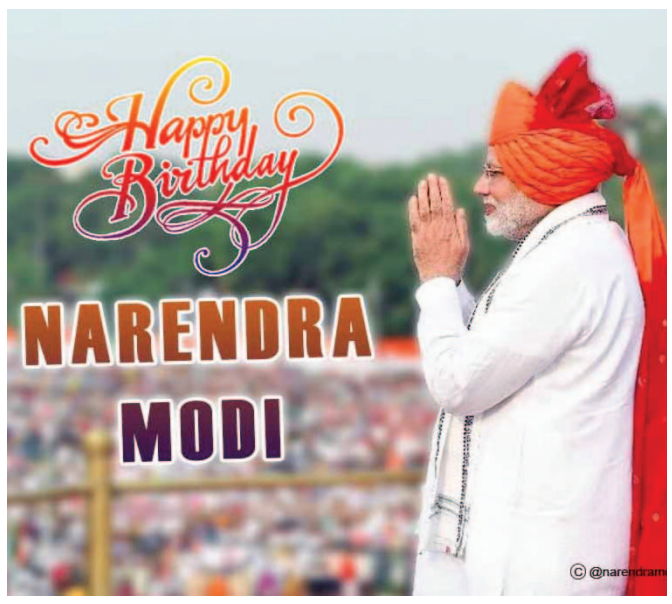

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को इस अभियान के तहत स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर लगाने और गरीबों के बीच राशन बांटने का दिशानिर्देश जारी किया है। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री की तस्वीर लगी राशन सामग्री के 14 करोड़ बैग बांटे जाएंगे। इस अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता दो अक्टूबर को देश भर में स्वच्छता अभियान चलाएंगे और खादी व

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने भी शुक्रवार को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर टीकाकरण अभियान में और मजबूती लाने का अनुरोध किया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''सबको टीका, मुफ्त टीका की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सौगात दी है! कल हम सबके प्रिय प्रधानमंत्री का जन्मदिन है, चलो 'वैक्सीन सेवा' कर जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली है, ऐसे अपनों को, परिजनों को और समाज के सभी तबकों को टीका लगवाकर, उनको जन्मदिन का उपहार देते हैं।''

स्थानीय उत्पादों के प्रति लोगों में जागरूकता का भाव पैदा करेंगे। दो अक्टूबर को राष्ट्रपति महात्मा गांधी की जयंती है।

''सेवा और समर्पण'' अभियान के तहत देश भर के भाजपा के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता प्रधानमंत्री को दो करोड़ पोस्टकार्ड भेजेंगे और उन्हें आश्वस्त करेंगे कि वह समाज सेवा के लिए खुद को समर्पित करेंगे। पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री को मिले उपहारों की नीलामी को प्रचारित व प्रसारित करने का आह्वान किया है।

केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के नेतृत्व वाले लोक जनशक्ति पार्टी के धड़े ने भी प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को व्यापक स्तर पर मनाने का फैसला किया है। लोजपा इस अवसर पर राजधानी दिल्ली में गरीबों के बीच भोजन वितरित करेगी और पौधारोपण अभियान चलाएगी। लोजपा प्रवक्ता श्रवण कुमार ने कहा कि पार्टी प्रधानमंत्री के जन्मदिन को ''सेवा संकल्प दिवस'' के रूप में मनाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले उपहारों की ई-नीलामी, यूं ले सकते हैं हिस्सा

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिले उपहारों और स्मृति-चिह्नों की ई-नीलामी करने जा रहा है। नीलाम किए जाने वाले स्मृति-चिह्नों में पदक जीतने वाले ओलिंपियन और पैरालिंपियन के स्पोर्ट्स गियर और उपकरण, अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिकृति, चारधाम, रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर, माडल, मूर्तियां, पेंटिंग, अंगवस्त्र आदि शामिल हैं। कोई भी इच्छुक व्यक्ति या संगठन 17 सितंबर से सात अक्टूबर के बीच वेबसाइट 'पीएममेमेंटोस डाट जीओवी डाट इन' के माध्यम से ई-नीलामी में भाग ले सकता है।मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ई-नीलामी से प्राप्त धनराशि गंगा के संरक्षण और कायाकल्प के उद्देश्य से नमामि गंगे मिशन को दी जाएगी। बताते चलें कि 2019 में भी प्रधानमंत्री को मिले उपहारों की नीलामी हो चुकी है। उस समय नेशनल गैलरी आफ माडर्न आर्ट में दो दिनों तक सामान्य नीलामी और ई-नीलामी हुई थी। उस दौरान 1,800 स्मृति चिह्नों की नीलामी की गई थी। उस समय हाथ से बनाई लकड़ी की एक बाइक पांच लाख रुपये में नीलाम की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी के 71वें जन्मदिन के मौके पर भाजपा शुक्रवार से सात अक्टूबर तक लोगों के बीच जाकर 20 दिनों का 'सेवा और समर्पण' अभियान चलाएगी। भाजपा ने इस मौके को सेलिब्रेट करने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान में बढ़-चढ़ कर सहयोग करने का आह्वान किया है। भाजपा प्रधानमंत्री के सार्वजनिक कार्यालय में दो दशक पूरा करने का भी जश्न मनाएगी। इस क्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने भी प्रधानमंत्री के जन्मदिन के मौके पर वैक्सीनेशन अभियान को और मजबूत बनाने की अपील कर है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, सबको टीका, मुफ्त टीका की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सौगात दी है। शुक्रवार को हम सबके प्रिय प्रधानमंत्री का जन्मदिन है।

देश में एससी-एसटी, ओबीसी और महिलाओं की योजनाओं के लिए जीओएम गठित, पहली बैठक संपन्न

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने की खातिर राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रिसमूह (जीओएम) का गठन किया है। इस जीओएम की बैठक पहली बार गुरुवार को हुई। यह जानकारी सूत्रों ने दी।उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भाजपा के उत्तर प्रदेश के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान जीओएम के सदस्य हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्तार अब्बास नकवी, अर्जुन मुंडा, किरण रिजिजू और वीरेंद्र कुमार भी इसमें शामिल हैं।सूत्रों ने बताया कि जीओएम की पहली बैठक गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई। गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी जीओएम की सदस्य हैं, लेकिन व्यस्तताओं के चलते वे बैठक में शामिल नहीं हो सके। इस बैठक में एससी, एसटी, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से विचार कर उन्हें शीघ्र लागू करने पर चर्चा हुई।

तमिलनाडु में नीट को लेकर एक और छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया-

तमिलनाडु में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर एक 17 वर्षीया छात्रा ने गुरुवार को आत्मदाह का प्रयास किया। इस प्रयास में वह बुरी तरह झुलस गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया, लड़की ने 12 सितंबर को परीक्षा दी थी। उरापक्कम में स्थित अपने घर में जब वह अकेली थी तब उसने आत्मदाह का प्रयास किया। वह 60 फीसद जल गई है। गौरतलब है कि बुधवार को वेल्लोर जिले के पड़ोसी काटपदी के समीप तालाइयारामपट्टु गांव में एक 17 वर्षीया लड़की ने आत्महत्या कर ली थी। इससे एक दिन पहले अरियालुर जिले में एक 17 वर्षीया छात्रा ने अपनी जान दे दी थी।

सीजेआई ने कहा- जस्टिस चीमा दफ्तर जाकर ही सुनाएंगे आदेश, नहीं माना केंद्र तो हम रोकेंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष जस्टिस एआईएस चीमा का कार्यकाल समय से पहले पूरा करने का विवाद सुप्रीम कोर्ट की कड़ी चेतावनी के बाद समाप्त हो गया। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद सरकार ने पहले जस्टिस चीमा को 20 सितंबर तक सेवा में बहाल रखते हुए सभी सुविधाएं देने की बात कोर्ट को बताई, हालांकि इस दौरान उन्हें दफ्तर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। इस पर चीफ जस्टिस एनवी रमण की पीठ ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा, ऐसा नहीं हो सकता। जस्टिस चीमा को दफ्तर जाकर लंबित फैसले सुनाने होंगे। अगर आप ऐसी व्यवस्था नहीं कर सकते तो हम अपनी स्वत- संज्ञान शक्ति का इस्तेमाल कर उस कानून पर ही रोक लगा देंगे, जिसके तहत आपने उन्हें समय से पहले सेवानिवृत्त किया। इसके बाद केंद्र सरकार ने जस्टिस चीमा को दफ्तर जाने की अनुमति देने का फैसला किया और तब तक नियुक्त नए अध्यक्ष जस्टिस वेणुगोपाल को छुट्टी पर भेजने की व्यवस्था दी। जस्टिस चीमा ने याचिका देकर केंद्र सरकार

आप भी वरिष्ठ वकील हैं। आप ही बताएं जस्टिस चीमा को जो फैसले सुनाने हैं, वह बिना दफ्तर जाए कैसे संभव है। अगर ये फैसले अभी नहीं सुनाए जाते तो इन मामलों में फिर से सुनवाई होगी

द्वारा एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य के रूप में उनके कार्यकाल को दस दिन कम करने के निर्णय को चुनौती दी थी। जस्टिस चीमा का कार्यकाल 20 सितंबर तक था, लेकिन सरकार ने एक आदेश पास कर 10 सितंबर को ही उन्हें कार्यमुक्त कर 11 सितंबर से मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एम वेणुगोपाल को नया अध्यक्ष नियुक्ति कर दिया।

अटॉर्नी जनरल बोले- नए अध्यक्ष को दुविधा होगी, पीठ ने कहा- इसके लिए आप जिम्मेदार

अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने सुनवाई के दौरान पीठ को बताया कि सरकार जस्टिस चीमा को 20 सितंबर तक सभी सुविधाएं देने को तैयार है, लेकिन उन्हें घर पर ही रहना होगा। वे दफ्तर जाएंगे तो यह नए अध्यक्ष के लिए दुविधा की स्थिति होगी। इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए कहा, इसके लिए आप जिम्मेदार हैं। ये सब आपका (सरकार) का किया हुआ है। आप भी वरिष्ठ वकील हैं। आप ही बताएं जस्टिस चीमा को जो फैसले सुनाने हैं, वह बिना दफ्तर जाए कैसे संभव है। अगर ये फैसले अभी नहीं सुनाए जाते तो इन मामलों में फिर से सुनवाई होगी, समय बर्बाद होगा। इस सब के लिए केंद्र ही जिम्मेदार होगा।

मुंबई के मनखुर्द इलाके में भीषण आग

बांद्रा कुर्ला में ढहा निर्माणाधीन पुल; 13 मजदूर जख्मी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में शुक्रवार की शुरुआत हादसों के साथ हुई। मुंबई के मनखुर्द इलाके के स्क्रैपयार्ड में भीषण आग लग गई जिसपर काबू के लिए घटनास्थल पर तुरंत ही करीब 6 दमकल गाड़ियां पहुंच गई। वही मुंबई के ही बांद्रा कुर्ला कंपलेक्स में निर्माणाधीन फ्लाईओवर ढह गया जिसके कारण वहां काम करने वाले कुछ श्रमिक जख्मी हो गए हैं। पुलिस और फायर ब्रिगेड घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। हादसे में जख्मी मजदूरों को पास के अस्पताल ले जाया गया है और मलबे में फंसे मजदूरों के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। जोन 8 के DCP मंजूनाथ सिंह ने बताया, बीकेसी मेन रोड और सांता क्रूज-चेंबुर लिंक रोड को जोड़ने वाला निर्माणाधीन फ्लाईओवर का एक हिस्सा आज सुबह साढ़े चार बजे ढह गया। इसमें 13 लोग जख्मी हो गए हैं। इन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई और न ही कोई लापता है। आज सुबह 4.40 बजे हुए इस हादसे में

नौ लोगों को मामूली चोटें हैं इन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया है। इसी माह महाराष्ट्र के बोइसर में जखारिया फैब्रिक लिमिटेड में हुए विस्फोट के कारण चार लोग जख्मी हो गए थे और एक की मौत हो गई थी। वहीं 11 सितंबर को महाराष्ट्र के पालघर जिले के बोइसर तारापुर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित केमिकल फैक्ट्री में आग लगी थी।

ड्रोन पीएलआई से उत्पाद, सेवा क्षेत्र को फायदा, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की भी उम्मीद

नई दिल्ली। नई ड्रोन उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना यानि पीएलआई स्कीम के जरिए सरकार का लक्ष्य अगले तीन सालों में 120 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता उद्योग जगत को देने का है। इसके जरिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तौर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की भी उम्मीद जताई गई है। विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस योजना की बारीकियों के बारे में बताते हुए कहा कि आने वाले दिनों में ड्रोन का इस्तेमाल कृषि, रक्षा, खनन और स्वास्थ्य से जुड़े क्षेत्रों में तेजी से होगा। इससे लिए जरूरी नीतियों और आसान फंडिंग की कमी पीएलआई योजना से पूरी हो गई है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले समय में इसका उत्पादन बढ़ेगा और निर्यात को बढ़ावा दिया जा सकेगा। सिंधिया ने अनुमान जताया है कि अगले 3 साल में ड्रोन उत्पादन के लिए 5 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इसके आधार पर 10 हजार रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस पूरी कवायद का अप्रत्यक्ष असर ड्रोन सेवाओं की वैल्यू चेन पर भी पड़ेगा। विमानन मंत्री के मुताबिक ड्रोन सेवाओं का टर्नओवर 20 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचेगा और इससे 3 लाख रोजगार

के अवसर पैदा होंगे। योजना की विशेषताएं बताते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जहां अभी टर्नओवर केवल 80 करोड़ रुपए का है , पीएलआई से अगले तीन साल में 120 करोड़ रुपए का इंसेंटिव देंगे। ये इंसेंटिव तीनों साल में 20 फीसदी की दर से बढ़ेगा भी। ड्रोन उत्पादकों के लिए टर्नओवर का अंश 2 करोड़ रुपए रखा गया है। वहीं हार्डवेयर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स के लिए बिक्री का अंश 50 लाख रुपए से ज्यादा रखा गया है। इस दायरे में आने वाले एमएसएमई और स्टार्टअप को पीएलआई स्कीम का फायदा मिलेगा।

देश के इन 5 राज्यों में तेज बुखार का कहर, अब तक 100 लोगों की मौत

गैर एमएसएमई ड्रोन उत्पादकों के लिए टर्नओवर की सीमा 4 करोड़ रुपए और हार्डवेयर कंपोनेंट से जुड़े उत्पादकों के लिए टर्नओवर की सीमा 1 करोड़ रुपए रखी गई है। साथ ही विदेशी कंपनियों के लिए ये सीमा 8 करोड़ रुपए और 2 करोड़ रुपए रखी गई है। सरकार ने ये भी सीमा रखी है कि एक कंपनी कुल इंसेंटिव का ज्यादा से ज्यादा सिर्फ 25 फीसदी हिस्सा ही ले सकेगी।

सरकारी विभाग में उपलब्ध रेकोई के साथ बदलकर बनाएँ गई रिकोर्ड की जाँच कोई विभाग करेंगा - राज इंडस्ट्रीयल

क्रांति समय दैनिक समाचार

सुरत, गुजरात के आर्थिक रूप से सुरत जिल्ला में देश के कोने कोने से आ करअपने रोजगार और अन्य व्यवसाय, वेपार करते हुए नजर आयेगे,साथ-साथ अवैध रूप से सरकारीकर्मी की मिली भगत से अवैध कार्य में बराबर की भागीदारी होने

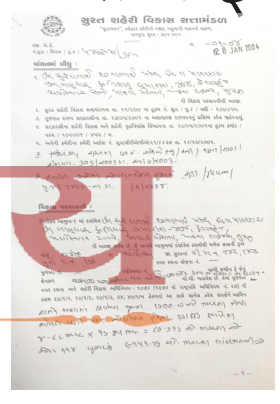

का लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ हैं, जिसमें जमीन में अधिकतर लोगों आने आने वाले बेनामी रकम लगा देते हैं, जिसमें सुरत महानगर पालिका के कुछ अधिकारीयों पर जाँच चल रहे होने के बावजूद में अवैध कार्य में लुप्त दिखाई दे रहे हैं, सिर्फ सरकारी, अर्धसरकारी कर्मचारी अपने पद और सता के उपयोग कर भारत के नरेंद्रमोदी के शासनकाल को बदनाम करने की सजिशकर अपना जेब भरते नजर आ रहे है, जो जाँच का विषय बना हुए हैं, जिसमें स्कुल और इंडस्ट्रीयल में बना सोसायटी चर्चा का विषय बना हुआ ? राज इंडस्ट्रीयल

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com